Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

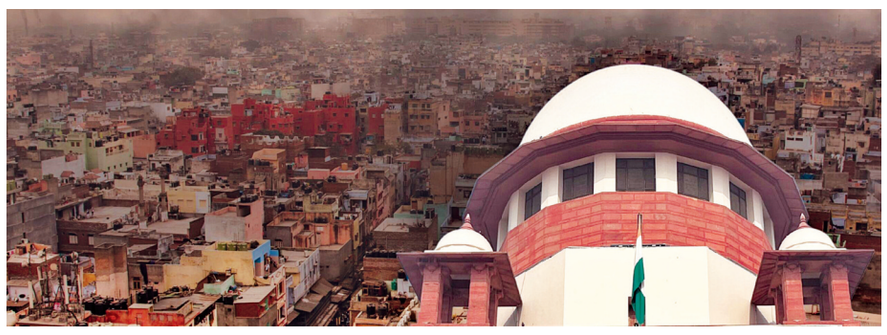
RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 303 | शनिवार, 07 नवम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

रोज 30 सिगरेट जितना जहर पी रहे लोग!

दिल्ली प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, सीजेआई बोले- पाबंदियां लगाने से नहीं बनेगा काम



दिल्ली-एनसीआर के प्रदूषण पर तीखी बहस

दिल्ली की आवोहवा में घुला जहर अब लोगों के स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक साबित हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली-एनसीआर के बिगड़ते हालात पर दायर याचिकाओं पर तीन सदस्यीय पीठ ने सुनवाई की। इस पीठ में उखकसूर्यकांत के साथ जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना शामिल थे। सुनवाई के दौरान एमिकस क्यूरी और वरिष्ठ वकील अपराजिता सिंह ने दिल्ली की हवा की स्थिति को बेहद चिंताजनक बताया। उन्होंने अदालत के समक्ष कहा कि दिल्ली-एनसीआर में हवा का स्तर इतना खराब है कि लोगों की आवाज तक प्रभावित हो रही है। उन्होंने हालात की गंभीरता को स्पष्ट करते हुए कहा कि ऐसा महसूस हो रहा है जैसे हम रोजाना 30 सिगरेट पी रहे हों।

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में हवा की गुणवत्ता लगातार गंभीर बनी हुई है। इस बीच, सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली प्रदूषण के मामले पर तीखी बहस हुई। अदालत की मदद कर रहीं एमिकस क्यूरी ने दिल्ली की जहरीली हवा की तुलना रोजाना 30 सिगरेट पीने से होने वाले नुकसान से कर दी। वहीं, मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने प्रदूषण से निपटने के लिए अपनाए जा रहे अस्थायी उपायों पर कड़ी नाराजगी जताई और कहा कि गाड़ियों तथा निर्माण कार्य पर रोक जैसे पुराने फायर फाइटिंग मैकेनिज्म अब काम नहीं करेंगे।

सीजेआई बोले- यह कोई स्थायी समाधान नहीं

एमिकस क्यूरी की दलीलों पर टिप्पणी करते हुए सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि हाल ही में हुई बारिश के कारण प्रदूषण के स्तर में थोड़ी गिरावट जरूर दर्ज की गई है, लेकिन यह कोई स्थायी समाधान नहीं है। मुख्य न्यायाधीश ने प्रदूषण नियंत्रण के नाम पर हर साल लागू किए जाने वाले तात्कालिक उपायों पर सवाल उठाए। उखक ने कहा कि वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाना और निर्माण कार्यों पर रोक लगा देना पुराने और नाकाम फायर फाइटिंग मैकेनिज्म बन चुके हैं।

इनसे महज कुछ दिनों की राहत मिल सकती है, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकल पाता। अदालत ने सख्त रुख अपनाते हुए केंद्र सरकार और संबंधित प्राधिकारियों से पूछा कि आखिर प्रदूषण के मूल कारणों पर लगातार काम कब शुरू होगा।

पराली और स्थानीय कारणों पर भी चर्चा

अदालत में यह बात प्रमुखता से सामने आई कि फसल अवशेष (पराली) जलाना प्रदूषण का केवल एक हिस्सा है। इसके अलावा सड़कों पर चलने वाले वाहनों से निकलने वाला धुआं, टोल प्लाजा पर लगने वाली गाड़ियों की लंबी कतारें और स्थानीय स्तर पर उत्पन्न होने वाला धूल-धुआं भी समान रूप से जिम्मेदार हैं। अदालत ने कहा कि किसानों को मशीनें उपलब्ध कराने के साथ-साथ सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को मजबूत करने और टोल प्लाजा पर लगने वाले जाम से निपटने जैसे उपायों पर भी गंभीरता से ध्यान देना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने जोर देकर कहा कि प्रदूषण के सभी स्रोतों की पहचान कर उन पर सालभर योजनाबद्ध तरीके से काम करने की सख्त जरूरत है।

दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप-3 की पाबंदियां लागू, बीएस-4 डीजल और बीएस-3 पेट्रोल वाहनों पर रोक

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए ग्रैप के तीसरे चरण की पाबंदियां लागू कर दी हैं।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शुक्रवार को बताया कि ग्रैप-3 लागू होने के साथ ही दिल्ली में बीएस-4 और इससे नीचे के मानक वाले डीजल वाहनों तथा बीएस-3 और इससे नीचे के मानक वाले पेट्रोल वाहनों के संचालन पर रोक लगा दी गयी है। यह प्रतिबंध दिल्ली के साथ-साथ दूसरे राज्यों में पंजीकृत वाहनों पर भी लागू होगा।

श्री सिरसा ने बताया कि डीजल से चलने वाले भारी वाहनों और हल्के वाणिज्यिक वाहनों (एलसीवी) पर भी प्रतिबंध रहेगा, यदि वे बीएस-4 या इससे नीचे के उत्सर्जन मानकों वाले हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये पाबंदियां दिल्ली के अलावा नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुरुग्राम और सोनीपत में भी लागू होंगी। इसके साथ ही पांचवीं कक्षा तक के सभी स्कूलों को अनिवार्य रूप से हाइब्रिड मोड में संचालित करना होगा, ताकि अभिभावकों और विद्यार्थियों को ऑनलाइन तथा ऑफलाइन पढ़ाई का विकल्प मिल सके।

पर्यावरण मंत्री ने कहा कि मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार शनिवार से मौसम की स्थिति और प्रतिकूल हो सकती है।

हवा की गति लगभग शून्य के करीब पहुंचने की आशंका है, जिससे वातावरण में प्रदूषक तत्व जमा होंगे और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में और बढ़ोतरी हो सकती है। हवा का ठहराव प्रदूषण की स्थिति को अधिक गंभीर बना सकता है।

श्री सिरसा ने दिल्लीवासियों से ग्रैप-3 के तहत लागू प्रतिबंधों का पालन करने और सरकार के प्रयासों में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि ये सभी प्रतिबंध तब तक प्रभावी रहेंगे, जब तक ग्रैप का तीसरा चरण लागू रहेगा। उन्होंने जोर दिया कि प्रदूषण से निपटने के लिए सरकार के साथ-साथ आम नागरिकों की भागीदारी भी जरूरी है।

दिल्ली सहित सात राज्यों की मसौदा सूची में छूटे मतदाताओं के नाम पुनः शामिल कराने का अंतिम मौका दिया चुनाव आयोग ने

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने दिल्ली सहित सात राज्यों एवं केंद्र शासित क्षेत्रों में ऐसे मतदाताओं को मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने का एक और अवसर देने का निर्णय लिया है जिन्हें मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत मतदाता गणना प्रपत्र जारी किए गए थे, लेकिन जिनके नाम अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत एवं दोहरी प्रविष्टि के रूप में चिह्नित किए जाने के कारण नयी सूची के प्रारूप में शामिल नहीं किए जा सके हैं। आयोग की ओर से इन राज्यों एवं केंद्र शासित क्षेत्रों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को शुक्रवार को भेजे पत्र में इस सबंध में आवश्यक कार्रवाई करने और आयोग को यथा शीघ्र सूचित करने को कहा गया है।

आयोग के सचिव पवन दीवान द्वारा भेजे गये पत्र में कहा गया है, 'ऐसे सभी मतदाताओं की बूथवार सूचियाँ, जिन्हें एएसडीडी (अनुपस्थित/ स्थानांतरित/ मृत/दोहरी प्रविष्टि) के रूप में चिह्नित किया गया था तथा जिनके गणना प्रपत्र वापस प्राप्त नहीं हुए थे और परिणामस्वरूप जो विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान प्रारूप निर्वाचक नामावली में शामिल नहीं हो सके, उन्हें एक बार पुनः संबंधित मतदान केंद्रों के नोटिस बोर्डों पर प्रदर्शित किया जाएगा, जहाँ से उनके नाम हटाए गए थे।' इसके अतिरिक्त, इन सूचियों को पंचायत भवनों/शहरी स्थानीय निकाय कार्यालयों तथा खंड विकास अधिकारियों/ पंचायत अधिकारियों/ शहरी स्थानीय निकाय अधिकारियों के कार्यालयों में भी प्रदर्शित किया जाएगा और मुख्य चुनाव अधिकारी की वेबसाइट पर भी पठनीय पीडीएफ प्रारूप में अपलोड किया जाएगा।

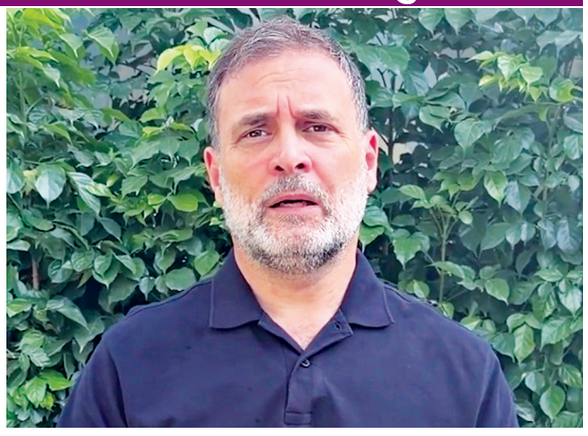
टीवीके विधायक को 15 करोड़ की रिश्वत देने के आरोप में अन्नाद्रमुक नेता गिरफ्तार



चेन्नई। तमिलनाडु में विपक्षी पार्टी अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के वरिष्ठ नेता और प्रचार सचिव पी.एम. मन्नन को सत्तारूढ़ तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) के एक विधायक को अविश्वास प्रस्ताव के दौरान सरकार के खिलाफ वोट देने के लिए 15 करोड़ रुपये की रिश्वत की पेशकश करने के आरोप में शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया। मदुरै सेंट्रल से टीवीके विधायक मधर बदरुद्दीन उर्फ मुस्तफा की शिकायत के बाद मदुरै सेंट्रल क्राइम ब्रांच पुलिस ने मन्नन को पूछताछ के लिए बुलाया था, जिसके बाद उन्हें औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। विधायक मुस्तफा ने बुधवार को संवाददाताओं को बताया था कि उन्हें अन्नाद्रमुक नेताओं के फोन आए थे, जिसमें विजय सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाए जाने पर 15 करोड़ रुपये देने का लालच दिया गया था।

योजनाओं का लाभ वोटर आईडी से जोड़ना लोकतंत्र और गरीबों के अधिकारों पर हमला: राहुल गांधी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर योजनाओं का लाभ आधार कार्ड के बजाय मतदाता पहचान पत्र (वोटर आईडी) से जोड़ने की तैयारी को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री ललन सिंह के एक वीडियो को साझा करते हुए आरोप लगाया कि मोदी सरकार मतदाता सूची के जरिए गरीबों के अधिकारों को नियंत्रित करने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने की साजिश कर रही है।

श्री गांधी ने कहा कि मतदाता सूची से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर करोड़ों लोगों के नाम काटे जा रहे हैं और यदि इसे नहीं रोका गया तो भविष्य में और भी लोगों के नाम हटाए जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य रूप से उन लोगों को निशाना बनाया जा रहा है, जिनमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के खिलाफ आक्रोश है।

श्री गांधी ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर भाजपा के साथ मिलीभगत और वोट चोरी में शामिल होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ऐसी मतदाता सूची बनाने की तैयारी है, जिसमें भाजपा का बहुमत सुनिश्चित रहे और भविष्य में उसी सूची के आधार पर सरकारी योजनाओं का लाभ भी तय किया जाए। उन्होंने आशंका जताई कि आज पंचायती राज की योजनाओं का लाभ वोटर आईडी से जोड़ने की बात हो रही है, कल राशन, पेंशन, मनरेगा, आवास, छात्रवृत्ति और आरक्षण जैसी सुविधाओं पर भी इसका असर पड़ सकता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि वोट देना नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है, कोई शर्त नहीं। किसी गरीब की पेंशन उसके वोटर कार्ड की गुलाम नहीं हो सकती। उन्होंने आरोप लगाया कि यह केवल वोट चोरी नहीं, बल्कि लोगों के अधिकारों की चोरी है।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यह चुनाव जीतने की राजनीति नहीं, बल्कि चुनाव चोरी करने और सत्ता में बने रहने का स्थायी इंतजाम है। कांग्रेस इस तरह की कोशिशों को सफल नहीं होने देगी।

सीबीएसई ने जारी की 2027 बोर्ड परीक्षाओं की डेटशीट, 16 फरवरी से शुरू होंगे इम्तेहान

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने वर्ष 2027 की कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं की डेटशीट जारी कर दी है। सीबीएसई की ओर से शुक्रवार को बताया गया कि दोनों कक्षाओं की परीक्षाएं 16 फरवरी 2027 से शुरू होंगी। सभी परीक्षाएं सुबह 10:30 बजे से आयोजित की जायेगी। बोर्ड ने परीक्षा शुरू होने से 101 दिन पहले ही कार्यक्रम जारी कर दिया है, ताकि विद्यार्थियों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल के। उन्होंने कहा कि इस बार कक्षा 10वीं में 83 विषयों और कक्षा 12वीं में 121 विषयों की परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। कक्षा 12वीं के 19.8 लाख से अधिक और कक्षा 10वीं के 26.5 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया है। बोर्ड ने बताया कि स्कूलों की ओर से परीक्षार्थियों की सूची (एलओसी) समय पर जमा किए जाने के कारण इस बार डेटशीट पहले जारी करना संभव हो सका है। बोर्ड ने डेटशीट तैयार करते समय विद्यार्थियों के विषय संयोजनों और परीक्षा कार्यक्रम से जुड़ी विभिन्न जरूरतों का ध्यान रखा है। आमतौर पर एक साथ चुने जाने वाले विषयों की परीक्षाओं के बीच पर्याप्त अंतर रखा गया है। इसके अलावा 40 हजार से अधिक विषय संयोजनों का विश्लेषण किया गया, ताकि किसी विद्यार्थी के दो विषयों की परीक्षा एक ही दिन न पड़े। कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों की प्रमुख प्रवेश परीक्षाओं के संभावित कार्यक्रम को भी ध्यान में रखा गया है, जिससे बोर्ड परीक्षाएं उनके आयोजन से काफी पहले पूरी हो सकें। सीबीएसई के मुताबिक, डेटशीट तैयार करते समय परीक्षा केंद्रों पर प्रतिदिन परीक्षार्थियों की संख्या और उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के दौरान शिक्षकों की उपलब्धता का भी ध्यान रखा गया है।

अब कोई भाई-भतीजावाद नहीं, 25 करोड़ जनता ही परिवार: योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस विभाग में 4,543 नवचयनित उपनिरीक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए

वेलकम इंडिया, नेटवर्क





लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ में उत्तर प्रदेश पुलिस बल में निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के तहत चयनित 4,543 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने दो टूक कहा कि उत्तर प्रदेश में अब भाई-भतीजावाद नहीं चलेगा। प्रदेश की 25 करोड़ जनता ही हमारा परिवार है और सरकार सभी के साथ समान व्यवहार करेगी। नियुक्ति की प्रक्रिया में किसी के साथ भेदभाव नहीं होगा। योग्यता और मेरिट के आधार पर प्रदेश के हर युवा को अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकारों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश में भर्ती की स्थिति ऐसी थी कि आवेदन कोई करता था, परीक्षा कोई दूसरा देता था और नियुक्ति पत्र किसी तीसरे को मिल जाता था। भर्ती के नाम पर सैफई सिंडिकेट का बोलबाला था। हमारी सरकार ने उस व्यवस्था को समाप्त कर पारदर्शी चयन प्रक्रिया स्थापित की है। मुख्यमंत्री ने नवचयनित अभ्यर्थियों से सीधे संवाद करते हुए तीन सवाल पूछे। कहा कि क्या आपमें से किसी को चयन के लिए किसी की सिफारिश कराने की नौबत आई? क्या किसी ने आपसे किसी प्रकार का लेन-देन किया या धनराशि का प्रस्ताव रखा? क्या किसी ने धौंस दिखाकर नियुक्ति पत्र प्राप्त करने का प्रयास किया, जिसकी आज उत्तर प्रदेश में कल्पना भी नहीं की जा सकती। मुख्यमंत्री ने महिला कार्यबल की भागीदारी तीन गुना होने का उल्लेख करते हुए लखनऊ के एचसीएल टेक परिसर का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 में वहां केवल 100 लोग काम करते थे, जबकि अब कर्मचारियों की संख्या 12,500 तक पहुंच चुकी है। हाल में शुरू की गई नई सुविधाओं से छह हजार और युवाओं को रोजगार मिलेगा। इससे वहां कार्यरत लोगों की संख्या 18,500 हो जाएगी। वहां तीन शिफ्टों में काम होता है और महिलाएं भी रात्रि शिफ्ट में कार्य करती हैं।

नियुक्ति कृपा नहीं, युवाओं को अवसर देना हमारा कर्तव्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि नियुक्ति पत्र देना सरकार की अनुकंपा या कृपा नहीं है, बल्कि यह सरकार का कर्तव्य है। नौ-दस वर्ष पहले उत्तर प्रदेश अपनी पहचान खो चुका था। प्रदेश के नाम से लोग घबराते थे। बाहर के राज्यों में मेहनत और प्रतिभा के बल पर नौकरी पाने वाले उत्तर प्रदेश के युवाओं को किराये पर कमरा लेने तक में परेशानी होती थी। प्रदेश में कर्फ्यू, दंगे और अराजकता आम बात थी। देश की सबसे बड़ी आबादी, सबसे बड़ा युवा कार्यबल, उपजाऊ भूमि और प्रचुर प्राकृतिक संसाधन होने के बावजूद उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था और बुनियादी ढांचा बेहद कमजोर था।

डबल इंजन सरकार नहीं आती तो पारदर्शी भर्ती दिवास्वप्न होती

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में डबल इंजन सरकार नहीं आई होती, तो पारदर्शी और ईमानदार भर्ती प्रक्रिया संपन्न होना एक दिवास्वप्न जैसा होता। वर्ष 2003 से 2017 के बीच ऐसी अनेक नियुक्तियां हुईं, जिनमें आवेदन किसी ने किया, परीक्षा किसी और ने दी और नौकरी किसी तीसरे व्यक्ति को मिल गई। ऐसे कई मामले आज भी न्यायालयों में लंबित हैं। चिंता यह है कि वर्षों बाद यदि न्यायालय ऐसे मामलों में नियुक्तियां समाप्त करने का आदेश देता है तो उन युवाओं का क्या होगा, जिन्होंने इतने वर्षों तक सेवा की है? जिन बेईमान लोगों ने तब नौजवानों के जीवन के साथ खिलवाड़ किया, उनकी पूरी संपत्ति जब्त होनी चाहिए। हमने 2017 में ही तय किया था कि चयन की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी होगी और किसी प्रकार का भाई-भतीजावाद या भेदभाव नहीं होगा। प्रदेश के 25 करोड़ नागरिक ही हमारा परिवार हैं। आज अंबेडकरनगर, गाजीपुर, संत कबीर नगर, देवरिया, भदोही, सोनभद्र, चित्रकूट, जालौन, सहारनपुर और हमीरपुर के युवाओं को भी समान अवसर मिल रहा है।

जारी रहेगा सिलसिला, भैयादूज के अगले दिन वितरित होंगे नियुक्ति पत्र

मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में अकेले उत्तर प्रदेश पुलिस बल में 2.30 लाख पुलिस अधिकारियों और कार्मिकों की भर्ती पारदर्शी तरीके से की गई है। विभिन्न विभागों में सरकारी भर्तियों की संख्या 9.5 लाख से अधिक हो चुकी है। वर्ष 2003 से 2017 के बीच 14 वर्षों में भी इतनी भर्तियां नहीं हुईं, जितनी वर्तमान सरकार ने मात्र साढ़े नौ वर्षों में की हैं। मुख्यमंत्री ने हाल के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रमों का क्रमवार उल्लेख करते हुए बताया कि 25 अगस्त को कृषि विभाग के 3,572 अधिकारियों को नियुक्ति पत्र दिए गए। 19 सितंबर को आयुष, चिकित्सा स्वास्थ्य और उद्यान विभाग के 818 कार्मिकों, 20 सितंबर को पुलिस विभाग के 912 अभ्यर्थियों, 22 सितंबर को शिक्षा विभाग के 3,567 अभ्यर्थियों और 28 सितंबर को पंचायती राज विभाग के 1,375 कार्मिकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। 8 अक्टूबर को पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के माध्यम से चयनित 470 मेधावी खिलाड़ियों को उत्तर प्रदेश पुलिस में नियुक्ति दी गई। 5 नवंबर को 28 फॉरेंसिक साइंटिस्ट्स को नियुक्ति पत्र दिए गए और अब 4,543 नवचयनित उपनिरीक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए जा रहे हैं। सरकार ने छह माह में एक लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र देने का संकल्प लिया था। कहा था कि आप गिनते रहिए, हम नियुक्ति पत्र वितरित करते रहेंगे। दीपावली के बाद भैयादूज के अगले दिन राजस्व विभाग के 1,200 से अधिक अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे। इसके अलावा 42 हजार होमगार्ड की भर्ती प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।

संपादक की कलम

दीयों से मनाएँ दीपावली, मिट्टी के दीये जलाएँ



ललित शर्मा
संपादक

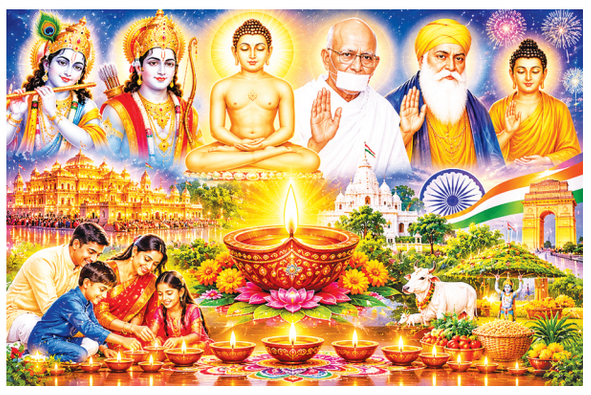
आधुनिकता की दौड़ में हम अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को धीरे-धीरे भूलते जा रहे हैं। दीपावली जैसे पावन पर्व पर मिट्टी के दीये जलाने की परंपरा भी अब सिमटती जा रही है। उनकी जगह इलेक्ट्रॉनिक लाइटों, झालरों और अन्य कृत्रिम रोशनी ने ले ली है। यह बदलाव केवल हमारी सांस्कृतिक परंपराओं को प्रभावित नहीं कर रहा, बल्कि सामाजिक और आर्थिक स्तर पर भी इसके दूरगामी परिणाम दिखाई दे रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण और अपनी सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखने के लिए आवश्यक है कि हम दीपावली पर मिट्टी के दीये जलाने तथा पटाखों से परहेज करने का संकल्प लें।

दीपावली का पर्व मिट्टी के दीयों से गहराई से जुड़ा हुआ है। यह हमारी संस्कृति और आस्था में रचा-बसा त्योहार है। मान्यता है कि भगवान श्रीराम के चौदह वर्ष का वनवास पूरा कर अयोध्या लौटने की खुशी में अयोध्यावासियों ने घर-घर दीप जलाकर उनका स्वागत किया था। तभी से कार्तिक मास की अमावस्या को दीपोत्सव मनाने की परंपरा प्रचलित हुई। मिट्टी के दीये जलाना केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान और प्रकृति से जुड़ाव का भी प्रतीक है। पिछले दो दशकों में कृत्रिम रोशनी का आकर्षण तेजी से बढ़ा है। आधुनिकता की चकाचौंध में हम अपनी पारंपरिक जीवनशैली से दूर होते जा रहे हैं। दीपावली पर बिजली की रंग-बिरंगी लाइटों और झालरों का प्रयोग बढ़ा है, वहीं तेज आवाज वाले पटाखों ने वायु और ध्वनि प्रदूषण की समस्या को गंभीर बना दिया है। इसका सबसे अधिक प्रभाव पर्यावरण, पशु-पक्षियों, बुजुर्गों, बच्चों और सांस संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों पर पड़ता है। इस बदलाव का एक महत्वपूर्ण सामाजिक और आर्थिक पक्ष भी है। मिट्टी के दीये बनाने वाले कुम्हारों का परंपरागत व्यवसाय धीरे-धीरे प्रभावित हो रहा है। एक समय था जब दीपावली आने से कई सप्ताह पहले लोग कुम्हारों को दीयों के ऑर्डर दे दिया करते थे। उनके परिवार के सभी सदस्य दिन-रात मेहनत करके दीये तैयार करते थे। भले ही उनकी आमदनी बहुत अधिक नहीं होती थी, लेकिन अपनी कला और परंपरा को जीवित रखने का उत्साह उनमें अवश्य रहता था। आज स्थिति बदल गई है। मिट्टी के दीयों की मांग घटने से कुम्हारों का उत्साह भी कम हुआ है। अनेक परिवार अपने पुश्तैनी व्यवसाय से दूर होकर दूसरे रोजगार अपनाने को मजबूर हैं। दीपावली पर अब कई घरों में केवल प्रतीकात्मक रूप से दो-चार मिट्टी के दीये जलाए जाते हैं, जबकि अधिकांश सजावट इलेक्ट्रॉनिक लाइटों और झालरों से की जाती है। हमें यह समझना होगा कि हमारी छोटी-सी पहल किसी कारीगर के परिवार के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है। मिट्टी के दीये खरीदकर हम न केवल अपनी संस्कृति को बचाते हैं, बल्कि स्थानीय कारीगरों की आजीविका को भी सहारा देते हैं। मिट्टी के दीये जलाने की परंपरा का अपना अलग सौंदर्य और महत्व है। सरसों के तेल से जलते दीये की लौ मन को एक विशेष शांति और आत्मीयता का अनुभव कराती है। दीये की सादगी और उसकी प्राकृतिक सुंदरता का मुकाबला कृत्रिम रोशनी नहीं कर सकती। मिट्टी के दीये स्थानीय संसाधनों और पारंपरिक शिल्प से जुड़े होते हैं। हालांकि पर्यावरण संरक्षण के लिए उनका उपयोग करते समय तेल, बाती और अन्य संसाधनों का भी विवेकपूर्ण इस्तेमाल करना चाहिए। हमारी संस्कृति केवल दीये जलाने तक सीमित नहीं है। इसमें घरों की स्वच्छता, अच्छे पकवान बनाना, मिठाइयाँ बाँटना, पड़ोसियों और जरूरतमंदों को उपहार देना तथा आपसी प्रेम और सद्भाव बनाए रखना भी शामिल है।

दीपावली बने विकसित एवं समृद्ध भारत की नई ज्योति



ललित गर्ग
लेखक



दीपावली केवल अंधकार पर प्रकाश की विजय का पर्व नहीं है, यह मनुष्य के भीतर सोई हुई चेतना को जगाने, जीवन की दिशाहीनता को दिशा देने और सभ्यता के वर्तमान पड़ाव पर अपने मूल्यों का पुनर्मूल्यांकन करने का अवसर है। आज भारत विकसित भारत, समृद्ध भारत, समर्थ भारत और आत्मनिर्भर भारत की संकल्पयात्रा पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। दुनिया भारत की आर्थिक शक्ति, तकनीकी सामर्थ्य, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक दृष्टि को नए विश्वास के साथ देख रही है। ऐसे समय में दीपावली का दीपक केवल घर की चौखट पर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के आकाश में भी जलना चाहिए। हमारे सामने एक बड़ा प्रश्न है-जब दीपों की संख्या बढ़ रही है, तब मनुष्य के भीतर का प्रकाश क्यों मंद पड़ रहा है? घर जगमगा रहे हैं, बाजार रोशन हैं, महानगरों की इमारतें विद्युत-दीपों से नहा रही हैं, तकनीक जीवन को सुविधाओं से भर रही है, फिर भी मनुष्य के भीतर तनाव, असुरक्षा, हिंसा, स्वार्थ, असहिष्णुता और मोह का अंधकार क्यों गहराता जा रहा है? कहीं ऐसा तो नहीं कि हमने दीपक तो बहुत जला लिए, लेकिन अपने भीतर बाती लगाना भूल गए?

आतंकवाद, हिंसा, युद्ध, घृणा और वैमनस्य की जड़ें किसी मशीन या हथियार में नहीं, मनुष्य की विकृत चेतना में होती हैं। इसलिए आतंकवाद की समस्या का स्थायी समाधान केवल सुरक्षा-व्यवस्था से नहीं होगा। मनुष्य को अनावश्यक हिंसा छोड़ने का संकल्प करना होगा। जब तक मनुष्य के भीतर प्रतिशोध की आग जलती रहेगी, तब तक संसार में शांति का दीपक पूरी तरह प्रज्वलित नहीं हो सकता। अहिंसा केवल जैन दर्शन का सिद्धांत नहीं, बल्कि भविष्य की मानव सभ्यता की आवश्यकता है। एक सुंदर आध्यात्मिक दृष्टांत है। अंधकार ने ब्रह्मा से शिकायत की कि सूर्य उसका पीछा करता है और उसे मिटा देना चाहता है। सूर्य ने कहा-मैं तो अंधकार को जानता तक नहीं, मिटाने की बात तो दूर है, पहले उसे मेरे सामने उपस्थित करो। जब अंधकार को सूर्य के सामने आने के लिए कहा गया तो उसने उत्तर दिया-मैं उसके पास कैसे आऊं? उसके सामने आते ही मेरा अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। यही सत्य धर्म और अज्ञान के संबंध का है। जहां ज्ञान का सूर्य उदित हो जाता है, वहां अज्ञान का अंधकार टिक नहीं सकता। जहां करुणा का दीप जलता है, वहां हिंसा की कालिमा ठहर नहीं सकती। जहां आत्मसंयम की ज्योति प्रज्वलित होती है, वहां मोह और मूर्च्छा का साम्राज्य धीरे-धीरे ढहने लगता है। इसीलिए दीपावली की वास्तविक सार्थकता केवल घर की सफाई में नहीं, अंतःकरण की सफाई में है। हम महीनों से घर के कोने-कोने की धूल हटाते हैं, पुराने सामान को व्यवस्थित करते हैं, दीवारों को सजाते हैं और घर को नया रूप देते हैं। लेकिन क्या कभी हमने अपने मन के कोनों में जमी ईर्ष्या की धूल झाड़ी? क्या क्रोध की कालिख साफ की? क्या अहंकार के जाले हटाए? क्या लोभ और मोह के पुराने सामान को बाहर निकाला? यदि इस दीपावली हम अपने भीतर की ऐसी सफाई कर पाए, तो यही पर्व हमारे जीवन का सबसे बड़ा उत्सव बन जाएगा। महान दार्शनिक संत आचार्य श्री महाप्रज्ञ ने अंतर्दर्शन को आत्मप्रकाश का मार्ग बताया। उनका संकेत स्पष्ट था कि बाहर की दुनिया को देखने की हमारी आदत बहुत गहरी है, जबकि भीतर झांकने की साधना बहुत कमजोर। आज मनुष्य के पास दुनिया देखने के लिए असंख्य माध्यम हैं, लेकिन स्वयं को देखने का समय नहीं। मोबाइल की स्क्रीन चमक रही है, लेकिन मन की स्क्रीन धुंधली होती जा रही है। सूचना का भंडार बढ़ रहा है, पर आत्मबोध का दीप क्षीण हो रहा है। यही आज की सबसे बड़ी विडंबना है-हम चाँद पर पहुँचने की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन अपने भीतर के अंधेरे कोनों तक पहुँचने में संकोच कर रहे हैं। नया भारत केवल ऊँची इमारतों, तेज गति की अर्थव्यवस्था, अत्याधुनिक तकनीक और विश्वस्तरीय बुनियादी ढाँचे से नहीं बनेगा। विकसित भारत की असली पहचान उसके नागरिकों की विकसित चेतना से होगी। समृद्धि तभी सार्थक है जब संवेदना जीवित रहे, शक्ति तभी मंगलकारी है जब उसमें संयम हो, विज्ञान तभी कल्याणकारी है जब उसके साथ विवेक हो और विकास तभी पूर्ण है जब उसके केंद्र में मनुष्य तथा प्रकृति दोनों के प्रति करुणा हो। भारत की सनातन संस्कृति ने सदियों पहले जीवन का यही सूत्र दिया था-तमसो मा ज्योतिर्गमय। अंधकार से प्रकाश की ओर, अज्ञान से ज्ञान की ओर, असंयम से संयम की ओर और स्वार्थ से परमार्थ की ओर बढ़ना ही भारतीय संस्कृति की जीवनधारा है। आज जब भारत विश्वगुरु बनने की दिशा में अग्रसर है, तब उसकी सबसे बड़ी पूँजी केवल अर्थव्यवस्था या तकनीकी शक्ति नहीं, बल्कि उसकी सनातन जीवनदृष्टि है। दीपावली इस सनातन संस्कृति को नया आकाश देने का पर्व बन सकती है। हमें दुनिया को केवल यह नहीं बताना कि भारत आर्थिक रूप से आगे बढ़ रहा है, हमें यह भी दिखाना है कि भारत मानवीय मूल्यों के साथ विकास करना जानता है। ऐसा विकास, जिसमें प्रकृति के लिए स्थान हो, वंचित के लिए संवेदना हो, वृद्ध के लिए सम्मान हो, युवा के लिए अवसर हो, नारी के लिए गरिमा हो और प्रत्येक मनुष्य के लिए सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण जीवन हो। आज आवश्यकता है कि दीपावली के दीपक को राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक बनाया जाए। एक दीप आत्मसंयम का, एक अहिंसा का, एक पर्यावरण-संरक्षण का, एक सामाजिक समरसता का, एक नारी-सम्मान का, एक ईमानदारी का और एक राष्ट्रनिष्ठा का। जब करोड़ों घरों के करोड़ों दीप इन मूल्यों के साथ जलेंगे, तब भारत की रोशनी केवल घरों और बाजारों तक सीमित नहीं रहेगी, वह विश्वमानवता का पथ आलोकित करेगी। दीपक की एक विशेषता है-वह स्वयं जलता है और दूसरों को प्रकाश देता है। यही भारत की संस्कृति का मूल चरित्र है। वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना लेकर चलने वाला भारत अपने उत्थान को विश्वकल्याण से अलग नहीं देख सकता। भारत यदि विश्वगुरु बनना चाहता है तो उसे दुनिया को केवल ज्ञान नहीं, जीवन का संतुलन भी देना होगा, केवल समृद्धि का मॉडल नहीं, शांति का मार्ग भी दिखाना होगा। इस दीपावली एक प्रश्न अपने आप से जरूर पूछें-मेरे भीतर कौन-सा अंधकार अभी बाकी है? क्रोध, लोभ, अहंकार, ईर्ष्या, भय, असंवेदनशीलता या निष्क्रियता? क्योंकि अंधकार को कोसने से प्रकाश नहीं आता। एक छोटा-सा दीप जलाना पड़ता है। दीपक हमें यह भी सिखाता है कि जीवन से पलायन नहीं, परिवर्तन चाहिए। परिस्थितियां चाहे कितनी ही प्रतिकूल क्यों न हों, मनुष्य को अपने भीतर की लौ को बुझने नहीं देना चाहिए।

आत्मविश्वास सफलताओं की सीढ़ी है



किशन भावनानीं
लेखक



पृथ्वीलोक पर सृष्टि में सबसे बुद्धिमान जीव मानव की जब से उत्पत्ति या संरचना हुई है, रचनाकर्ता ने गुण अवगुण का पिटारा भी साथ में सृष्टि पर संलग्न कर दिया,इस सृष्टि पर सर्वश्रेष्ठ प्राणी मानव, अपनी बुद्धि कौशलता के आधार पर उस पिटारे में से चुनकर अपने जीवन यात्रा में सलंग्न करें।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि पिटारे में कई गुणों के रूप में अच्छाई, आत्मविश्वास, परोपकार, नम्रता, दीनता, शांतिप्रियता, मनोबल, उत्साह जैसे हजारों पुष्प और अवगुणों के रूप में अहंकार, दुष्टता, गुस्सा, मैं मैं, धोखा, कुटिलता, क्रोध, द्वेष, दुष्चक्र रूपी हजारों बेशर्म की पत्तियां समाहित है। परंतु यह सब हम जीवों के ऊपर है कि इसमें सेहम कौनसा अल्टरनेटिव चुनकर अपने जीवन में अप्लाई करते हैं।

साथियों बात अगर हम उस पिटारे में मानव द्वारा उठाए गए गुणों रूपी पुष्प, अवगुणों रूपी बेशर्म पत्तियों की करें तो हजारों वर्ष पूर्व आदि-अनादि प्राचीन काल से ही हमें इन दोनों स्वरूपी मानव की चर्चा इतिहास में दर्ज पढ़ने को मिली है, जिसका भारतीय स्तरपर राम-रावण कृष्ण-कंस वैश्विक स्तरपर हिटलर, अनेक तानाशाह सहित अनेक हमारे सामने उदाहरण हैं जो आज तक के युग में भी आधुनिक मानव इसी तर्ज पर भी हैं और आगे भी होते रहेंगे, बस हम इस आर्टिकल द्वारा सीखना है कि उस पिटारे में से हमें पुष्प ही चुनकर लेनाहै न कि बेशर्म की पत्तियां हर उदाहरण में मेरा पक्ष सकारात्मकता की ओर है।

साथियों बात अगर हम आज के विषय आत्मविश्वास और अहंकार की करें तो इन दोनों शब्दों में ही पिटारे के गुण- अवगुण का मूल समाया हुआ है सबसे पहले हम चर्चा आत्मविश्वास की करेंगे कि हर व्यक्ति को यह पुष्प उसके जीवन की सफलता के हर पड़ाव पर अत्यंत जरूरी है उसे सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए आत्मविश्वास उसकी सफलता की पहली सीढ़ी है जिसके सहारे वह आगे बढ़ने में सक्षम होगा

साथियों आत्मविश्वास मनुष्य के अंदर ही समाहित होता है। आपको इसे कहीं और अन्य जगह से लाने की जरूरत नहीं है। यह आपके अंदर ही है, बस जरूरत है अपने अंदर की आंतरिक शक्तियों को इकट्ठा कर अपने आत्मविश्वास को मजबूत करने की, वर्तमान समय में अगर हमें कुछ पाना है, किसी भी क्षेत्र में कुछ करके दिखाना है, जीवन को खुशी से जीना है, तो इन सबके लिए आत्मविश्वास का होना परम आवश्यक है। आत्मविश्वास में वह शक्ति है जिसके माध्यम से हम कुछ भी कर सकते है। आत्मविश्वास से हमारी संकल्प शक्ति बढ़ती है और संकल्प शक्ति से बढ़ती है हमारी आत्मिक शक्ति। साथियों बात अगर हम आत्मविश्वास के बल पर वैश्विक प्रसिद्ध महामानव द्वारा अपने विजन की सफलताओं की करें तो, इसी आत्मविश्वास ने कोलंबस को अमेरिका की खोज में सहयोग दिया था। नेपोलियन ने इसी शक्ति से ओतप्रोत होकर अपने सेनापति से कहा था कि यदि आल्पस पर्वत हमारा मार्ग रोकता है तो वह नहीं रहेगा और सचमुच उस विशाल पर्वत को काटकर रास्ता बना लिया गया। महात्मा गांधी भी इस आत्मविश्वास के बल पर सत्य और अहिंसा के अस्त्र बनाकर स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े। अंततः वे भारत माता की दासता रूपी बेड़ी को काटने में सफल रहे। साथियों अब्राहम लिंकन ने अथक प्रयास कर दासों को मालिकों के शिकंजे से मुक्त कराया। उन्होंने अपनी डायरी में लिखा था कि मैंने अपने ईश्वर को वचन दिया है कि दासों की मुक्ति का कार्य अवश्य पूरा करूंगा। इमर्सन का कथन है- संसार के सारे युद्धों में इतने लोग नहीं हारते, जितने कि सिर्फ घबराहट से। इसलिए अपने ऊपर विश्वास रखकर ही आप दुनिया में बड़े से बड़ा काम सहज ही कर सकते हो और अपना जीवन सफल बना सकते हो। साथियों आत्मविश्वास एक ऐसा मंत्र है, जिसके आगे सारे संकट दूर हो जाते हैं। दृढ़ इच्छाशक्ति वाले के सामने मुसीबतों का पहाड़ भी सपाट मैदान की तरह बन जाते हैं और जिनके पास इसकी कमी होती है वह छोटी-मोटी समस्याओं से भी इतने घबरा जाते हैं कि उससे बचने के उपाय ढूंढ़ते-ढूंढ़ते खुद ही अपने आस पास के लोगों के लिए मुसीबत बन जाते हैं। इतिहास गवाह है कि कई लोगों ने केवल अपने आंतरिक ताकत के बल पर ही साम्राज्य कायम किया, नहीं तो एक सामान्य से मुखिया के घर में पैदा हुआ चंद्रगुप्त मौर्य कभी सम्राट नहीं बनता। साथियों अगर हम इतिहासको खंगालें तो विश्व के अधिकांश महानतम व्यक्ति चाहे वो गांधी हों या फिर मार्क्स, सभी के जीवन की शुरूआत सधारण तरीके से हुई, कठिन परिस्थितियों से जूझते हुए उन्होंने अपने जीवन का सफर शुरू किया लेकिन आत्मविश्वास की दृढ़ता की वजह से ही कठिन चुनौतियों का सामना करते हुए वैश्विक मानव की श्रेणी में पहुंचे।

साथियों बात अगर हम अहंकार की करें तो प्राचीन काल से लेकर आज तक के युग में जिसने भी अहंकार किया है या मैं मैं, मैं ही सर्वश्रेष्ठ हूं, मेरे जैसा कोई नहीं रूपी बेशर्म की पत्तियों का चुनाव किया है वह आखिर नष्ट हुआ है, यह अवगुण रूपी पिटारे की पत्तियां मानव को नष्ट कर डालती है,क्योंकि यह अवगुण मानव का शत्रु है जो किसी भी क्षेत्र में अपने आप को सर्वश्रेष्ठ समझकर और अहंकार करते हैं उनका विनाश हुआ है! अहंकार चूर चूर हुआ है,जो हमने रावण, कंस, हिटलर सहित आज के युग में भी अनेक मानव देखे हैं जिनका सब कुछ नष्ट हुआ है क्योंकि अहंकार की खाई रूपी फिसलन पर जिसने भी पैर रखा है वह उस खाई में फिसलता ही गया है, वह न केवल खुदको बल्कि अपने कुल, कुटुंब को भी इस खाई में धकेलकर बहा ले जाता है।

साथियों बात अगर हम पिटारे से पुष्प उठाने के सकारात्मक फायदों की करें तो हम कितने भी सर्वश्रेष्ठ हो परंतु मैं मैं का भाव कभी अपने अंदर नहीं घुसने देना है मानाकि तुम बहुत बड़े टॉप लेवल के अधिकारी, नेता, व्यवसाई, व्यापारी विधि विशेषज्ञ, स्वास्थ्य विशेषज्ञ, तांत्रिक विशेषज्ञ या किसी भी क्षेत्र के सर्वश्रेष्ठ विशेषज्ञ हो तो भाव यह होना चाहिए कि आप यह सोचिए कि आप के मुकाबले दुनिया में कोई और तुमसे अच्छा जरूर होगा, और सिर्फ.मैं तक सीमित होना है नकि केवल मैं ही और मैं मैं को अपने अंदर पनपने देना है,क्योंकि यहीं से अहंकार, घमंड की उत्पत्ति होती है जिससे अपने आप को बचाना है, क्योंकि अहंकार असफलताओं का वह घड़ा है जिसका भरकर फूटना तय है जबकि नम्रता, नींवांपन और शांतिप्रियता सफल जीवन का मूल मंत्र है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आत्मविश्वास, सफलताओं की सीढ़ी है, मैं सर्व श्रेष्ठ हूं यह आत्मविश्वास है, लेकिन सिर्फ मैं ही सर्वश्रेष्ठ हूं यह अहंकार है,अहंकार सफलताओं का वह घड़ा है जिसका भरकर फूटना तय है, नम्रता,नींवांपन, ईमानदारी और शांतिप्रियता सफलजीवन के मूल मंत्र है।

दिवाली

मोनिका डागा

कविता



हर मन में भरपूर बसे खुशहाली, जीवन हो सबका ही समृद्धशाली,
भरने खुशियों से ये झोली खाली, आई है रात अमावस की काली ।

दिव्य शक्ति अर्चन की ये सिद्ध घड़ी, देने इच्छित वर देवी मातु खड़ी,
दसों दिशाओं में फैला अंधेरा, उग्र शक्तियों ने ब्रह्माण्ड को घेरा,
है तपसी सूक्ष्म साधना में खोए, अभिलाषी सुख का नया बीज बोए,
तन-मन को खूबसूरत ही सजाया, 'आनंद' अमृत जो चाहा वो पाया,
अष्ट-सिद्धि नव निधियॉ देने वाली, आई है रात अमावस की काली ।

सपना छोड़ चले थे राम अधूरा, हुआ वचन चौदह वर्षों का पूरा,
अयोध्यावासियों ने दुख भुलाया, अवधपुरी को बड़ा सुंदर सजाया,
मंगल गीत खुशी के सबने गाएं, स्वागत में प्रभु के दीप है जगाएं,
तब से पुनीत प्रथा ये चली आई, कार्तिक अमावस दिवाली कहलाई,
यामिनी जगमगाती दीपों वाली, आई है रात अमावस की काली ।

पॉच-दिवसीय त्यौहार को मनाएं, संग-संग अपना धर्म भी निभाएं,
सभी के सुख-समृद्धि की रख कामना, लक्ष्मी-गणेश की करें आराधना,
जगाएं एक प्रेम का दीप प्यारा, फैलाएं चहुँ दिश सुख का उजियारा,
निमित्त बन मुस्कान प्यारी खिला दें, चुपके से नई खुशियों से मिला दें,
परमतत्व से सहज जोड़ने वाली, आई है रात अमावस की काली ।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

शहर की सड़कें किसकी हैं-आयोजनों की या आम आदमी की?



प्रो. आरके जैन
लेखक



एक पिता सड़क पर हाथ जोड़कर रास्ता मांगता रहा और एंबुलेंस में उसका बेटा जिंदगी की आखिरी सांसें गिनता रहा। इससे बड़ी संवेदनहीनता क्या होगी! कानपुर में 22 वर्षीय सिपाही प्रांशु सचान को लेकर जा रही एंबुलेंस राजनीतिक रैली के जाम में फंस गई। पिता पुलिस और राहगीरों से गुहार लगाते रहे, लेकिन रास्ता नहीं खुला। टाटमिल चौराहे पर करीब डेढ़ घंटे जाम में फंसने के बाद कुल करीब तीन घंटे में एंबुलेंस अस्पताल पहुंची, तब तक प्रांशु दम तोड़ चुका था। एक युवा जिंदगी इसलिए नहीं बच सकी, क्योंकि सड़क पर राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन को एंबुलेंस के रास्ते से अधिक तरजीह मिली। यह केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं, हर शहर की उस व्यवस्था पर तमाचा है, जहां सड़कें आवागमन से अधिक अतिक्रमण, भीड़ और प्रदर्शनों की भेंट चढ़ रही हैं।

सड़क दुर्घटना के बाद शुरूआती एक घंटा यानी 'गोल्डन ऑवर' जीवन बचाने के लिए निर्णायक होता है। लेकिन हमारे शहरों में यह कीमती समय अस्पताल पहुंचने के बजाय जाम में बीत जाता है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की रोड ऐक्सिडेंट्स इन इंडिया 2024 रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में देश में 4,87,707 सड़क दुर्घटनाएं हुईं और 1,77,175 लोगों की मौत हुई। यानी प्रतिदिन करीब 485 लोग सड़क हादसों में जान गंवाते हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी भी संसद में समय पर उपचार न मिलने को इन मौतों का बड़ा कारण बता चुके हैं। सवाल है कि जब हर मिनट जिंदगी बचा सकता है, तो हमारी सड़कें एंबुलेंस का रास्ता घंटों तक क्यों रोकती हैं? दिवाली आते ही शहरों की सड़कों पर अराजकता बढ़ जाती है। दुकानों का सामान फुटपाथों से निकलकर सड़क तक फैल जाता है। ठेले, खोमचे और अस्थायी दुकानें रास्ता घेर लेते हैं। ग्राहक भी सड़क किनारे वाहन खड़े कर खरीदारी करने लगते हैं। नतीजतन, आधी सड़क कारोबार और बाकी बेतरतीब पार्किंग की भेंट चढ़ जाती है। पैदल यात्रियों को वाहनों के बीच से गुजरना पड़ता है। यही हाल कानपुर, दिल्ली, लखनऊ, मुंबई, हैदराबाद, अमृतसर और इंदौर समेत छोटे-बड़े शहरों का है। बाजार सजाने और कारोबार बढ़ाने की होड़ में कोई नहीं सोचता कि एंबुलेंस के लिए रास्ता खुला रहना भी जरूरी है। प्रशासन भी अक्सर त्योहारों के बाद अतिक्रमण हटाने की औपचारिकता निभाता है, जबकि रास्ते पहले से खाली रखना जरूरी है। धार्मिक जुलूसों, बारातों और राजनीतिक रैलियों के कारण यह अव्यवस्था और गहराती है। इनके चलते कई बार सड़कें घंटों तक ठप रहती हैं। भीड़ जुटाने, मंच लगाने और पार्किंग के इंतजाम होते हैं, लेकिन एंबुलेंस के लिए रास्ता छोड़ने की चिंता नहीं होती। हाल ही में दिल्ली में एक रैली के कारण 20-25 प्रमुख बाजारों की करीब 2.5 लाख दुकानें बंद रहने और 10-11 हजार करोड़ रुपये का कारोबार प्रभावित होने का दावा चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष ने किया। यह स्वतंत्र रूप से प्रमाणित आंकड़ा नहीं, बल्कि व्यापारियों का अनुमान है। फिर भी इससे आयोजनों के कारण जनजीवन और कारोबार पर पड़ने वाला असर स्पष्ट होता है। जब बाजारों का कारोबार ठप हो सकता है, तो मरीजों की जिंदगी भी दांव पर लग सकती है। समस्या की गंभीरता दिल्ली के एक अभियान से स्पष्ट होती है। जून 2026 में दिल्ली यातायात पुलिस और नगर निगम ने अतिक्रमण व अवैध पार्किंग के खिलाफ 55,532 चालान काटे और 3,123 वाहन जब्त किए। 144 स्थानों से 1,264 रेहड़ी-पटरी अतिक्रमण और 1,015 अन्य अवैध कब्जे हटाए। कर्नाटक में कैग की एक पुरानी (2022) रिपोर्ट के अनुसार, करीब 90 हजार दुर्घटना मामलों में एंबुलेंस की देरी या दूर तैनाती से पीड़ितों को समय पर चिकित्सा सहायता नहीं मिली। लगभग छह हजार मामलों में एंबुलेंस भेजने में 30 मिनट से अधिक लगे। ये आंकड़े प्रशासनिक निगरानी, आपातकालीन सेवाओं और नागरिक अनुशासन की साझा विफलता उजागर करते हैं। विडंबना है कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने अगस्त 2026 में राजमार्गों पर एंबुलेंस की जवाबदेही तय करने के लिए नए मानक लागू किए। इनके अनुसार, 10 किलोमीटर के दायरे में एंबुलेंस को 10 मिनट में दुर्घटनास्थल और घायल को एक घंटे में निकटतम अस्पताल पहुंचाना अनिवार्य है। देरी पर 10 हजार रुपये तक जुमार्ने का प्रावधान है। मोटर वाहन अधिनियम की धारा 194ई के तहत एंबुलेंस को रास्ता न देने पर भी 10 हजार रुपये जुमार्ना लग सकता है। सवाल है कि राजमार्गों पर समय-सीमा तय हो सकती है, तो शहरों में क्यों नहीं? 108 जैसी सेवाएँ भी तभी कारगर हैं, जब एंबुलेंस को रास्ता मिले। अस्पताल पहुंचने से पहले मरीज दम तोड़ दे, तो आधुनिक उपकरण और प्रशिक्षित कर्मचारी भी बेकार हैं। अब खोखले आश्वासनों के बजाय सख्त कार्रवाई जरूरी है। दिवाली और अन्य त्योहारों पर अतिक्रमण रोकने के लिए पहले से यातायात योजना बने। अवैध पार्किंग पर तत्काल जुमार्ना और वाहन जब्त हों। धार्मिक जुलूसों व राजनीतिक रैलियों के लिए वैकल्पिक मार्ग, निश्चित समय और अलग पार्किंग अनिवार्य हो। अनुमति देने से पहले प्रशासन सुनिश्चित करे कि आपातकालीन गलियारा हर हाल में खुला रहेगा। प्रमुख चौराहों पर एंबुलेंस के लिए ग्रीन कॉरिडोर, स्मार्ट सिग्नल और जीपीएस निगरानी हो। जाम में एंबुलेंस फंसने की हर गंभीर घटना की जांच हो और लापरवाही पर अधिकारियों व आयोजकों की जवाबदेही तय हो। नागरिक भी समझें कि सायरन सुनकर रास्ता देना एहसान नहीं, कानूनी और मानवीय जिम्मेदारी है। कानपुर की घटना का सबसे पीड़ादायक पहलू यह है कि एक पिता बेटे को बचाने के लिए हाथ जोड़ता रहा, लेकिन पूरा शहर उसे रास्ता नहीं दे सका। प्रांशु की मौत के बाद रैलियां खत्म हो जाएंगी, बाजार फिर सजेंगे और जुलूस निकलेंगे, लेकिन उस पिता के जीवन का खालीपन कोई मुआवजा या सरकारी आश्वासन नहीं भर सकेगा। लोकतंत्र, धर्म, व्यापार और उत्सव का उद्देश्य जीवन को बेहतर बनाना है, उसे संकट में डालना नहीं। जिस शहर में एंबुलेंस को रास्ता मांगना पड़े और जिंदगियां जाम में दम तोड़ें, वहां विकास के दावों पर सवाल उठना लाजिमी है। सड़कें किसी दल की शक्ति दिखाने, दुकान का कारोबार बढ़ाने या आयोजनों की भीड़ जुटाने के लिए नहीं, सबसे पहले जिंदगियां बचाने के लिए हैं।

चार लाख रुपये लेकर भागा युवक, 24 घंटे में गिरफ्तार

वेलकम इंडिया/हरेंद्र शर्मा





हापुड़। सड़क हादसे में घायल व्यक्ति की मदद करने के बजाय उसकी चार लाख रुपये की नकदी से भरा बैग लेकर फरार होने वाले आरोपी को पिलखुवा पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। घटना पिलखुवा कोतवाली क्षेत्र के हाईवे स्थित अनवरपुर कट के पास की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई चार लाख रुपये की पूरी रकम, बैग और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। पुलिस की इस कार्रवाई से पीड़ित को उसकी पूरी नकदी वापस मिलने का रास्ता साफ हो गया है। जानकारी के अनुसार, गढ़ निवासी रमा शंकर तिवारी 5 नवंबर को अपने भाई से किसी काम के लिए चार लाख रुपये लेकर आ रहे थे। वह हाईवे स्थित अनवरपुर कट के पास सवारी का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में वह घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। टक्कर लगने से उनका सामान और नकदी से भरा बैग भी सड़क पर गिर गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। इसी दौरान वहां मौजूद एक व्यक्ति की नजर नकदी से भरे बैग पर पड़ गई। आरोप है कि उसने घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने या उसकी मदद करने के बजाय मौके का फायदा उठाया और चार लाख रुपये से भरा बैग लेकर फरार हो गया। सड़क हादसे में घायल होने के बाद जब रमा शंकर तिवारी को बैग गायब होने की जानकारी हुई तो उनके होश उड़ गए। उन्होंने तत्काल पुलिस को घटना की सूचना दी।

मामले की जानकारी मिलते ही पिलखुवा कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार बालियान के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास की जानकारी जुटाई और आरोपी की तलाश में कार्रवाई तेज कर दी। पुलिस की सक्रियता और लगातार प्रयासों के चलते महज 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से पीड़ित के चोरी किए गए चार लाख रुपये, नकदी रखने वाला बैग और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद कर ली। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से घटना का खुलासा हो गया और चोरी गई पूरी रकम भी बरामद कर ली गई। इस घटना ने सड़क हादसों के दौरान मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक जिम्मेदारी पर भी सवाल खड़े किए हैं। जहां किसी घायल व्यक्ति को तत्काल मदद और चिकित्सा सहायता की जरूरत होती है, वहीं आरोप है कि आरोपी ने उसकी मजबूरी का फायदा उठाकर नकदी से भरा बैग ही पार कर दिया। हालांकि, पिलखुवा पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर नकदी बरामद कर ली। पुलिस की ओर से मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

ऐतिहासिक दशहरा मेले का भव्य समापन, दर्जनों पत्रकारों को किया गया सम्मानित

मोहम्मद असलम/वेलकम इंडिया



लखीमपुर-खीरी। नगर पालिका परिषद, लखीमपुर द्वारा आयोजित ऐतिहासिक दशहरा मेला-2026 की पूरे पखवाड़े चली सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला का भव्य समापन एवं सम्मान समारोह मेला प्रांगण में आयोजित किया गया। समारोह का शुभारंभ और समापन यादगार बनाने के लिए शानदार आतिशबाजी की गई, जिसने दर्शकों का मन मोह लिया। समापन समारोह में कलमकारी एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में योगदान देने वाले दर्जनों पत्रकारों को सम्मानित किया गया। पालिकाध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव, अधिशासी अधिकारी संजय कुमार, सभासद पारस मौर्य एवं सभासद श्वेता शर्मा ने पत्रकारों को मोमेंटो, शॉल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया इसके साथ ही मेले को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले आयोजक मंडल, सहयोगियों एवं सुरक्षा व्यवस्था में मुस्तैदी से जुटे मेला पुलिस के जवानों को भी सम्मानित किया गया। सभी के योगदान की सराहना करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया गया। समारोह का प्रभावशाली संचालन समाजसेवी एवं साहित्यकार राममोहन गुप्त 'अमर' ने अपने खूबसूरत अंदाज में किया। पूरे पखवाड़े चले सांस्कृतिक आयोजनों के बाद आतिशबाजी और सम्मान समारोह के साथ ऐतिहासिक दशहरा मेला-2026 का भव्य समापन हुआ। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव ने मेले को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी अतिथियों, कलाकारों, पत्रकारों, पुलिसकर्मियों एवं नगर पालिका टीम का आभार जताया।

फादरसन पब्लिक स्कूल में हिंदी व्याकरण प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित



वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा

चांदपुर। फादरसन पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों के हिंदी भाषा संबंधी ज्ञान, व्याकरण की समझ एवं बौद्धिक क्षमता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हिंदी व्याकरण प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा पाँचवीं से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के प्रथम चरण में चार टीमों ने भाग लिया। इन टीमों का नेतृत्व राखी राजपूत, शोभा सिंह, मानसी एवं कमलजीत ने किया। प्रत्येक टीम में पाँच प्रतिभागी शामिल रहे। प्रतियोगिता में हिंदी व्याकरण से संबंधित कुल 30 प्रश्न पूछे गए। प्रथम चरण में टीम ए, टीम बी एवं टीम सी ने समान अंक प्राप्त किए, जिसके परिणामस्वरूप इन तीनों टीमों के बीच फाइनल चरण आयोजित किया गया। फाइनल चरण में टीम सी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। टीम ए ने द्वितीय तथा टीम बी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में हिंदी विभागाध्यक्ष कल्पना मित्तल एवं जूनियर विंग की समन्वयक साक्षी चौहान शामिल रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया। इस प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदी व्याकरण के नियमों को रोचक ढंग से समझने तथा अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला। विद्यालय का उद्देश्य इस प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि, आत्मविश्वास एवं ज्ञानवर्धन की भावना विकसित करना है।

प्रतापगढ़ में एमडी ड्रग्स का कारोबार बेखौफ, हर तीन महीने में गिरफ्तारी के बावजूद नेटवर्क पर सवाल

700 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार, पट्टी पुलिस और एएनटीएफ लखनऊ की संयुक्त कार्रवाई

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया



प्रतापगढ़। जनपद प्रतापगढ़ में प्रतिबंधित नशीले पदार्थ एमडी ड्रग्स का अवैध कारोबार लगातार चिंता का विषय बना हुआ है। पुलिस की ओर से समय-समय पर कार्रवाई कर तस्करों को गिरफ्तार किया जा रहा है और नशीले पदार्थों की खेप भी बरामद हो रही है, लेकिन इसके बावजूद इस अवैध कारोबार पर पूरी तरह अंकुश नहीं लग पा रहा है। लगभग हर तीसरे महीने एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तारी की खबरें सामने आने से नशे के कारोबार के पीछे सक्रिय बड़े नेटवर्क और उसकी जड़ों को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। ताजा मामला थाना पट्टी क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार, 5 नवंबर 2026 को शाम करीब छह बजे पट्टी पुलिस और एएनटीएफ लखनऊ की संयुक्त टीम ने मुजाहिद से औरई की तरफ जाने वाले रास्ते पर घेराबंदी कर तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 700 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी बरामद किया गया। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। इस कार्रवाई के बाद एक बार फिर यह सवाल उठ रहा है कि प्रतापगढ़ में एमडी ड्रग्स की खेप आखिर कहां से पहुंच रही है? गिरफ्तार किए गए आरोपी इस अवैध कारोबार की कितनी बड़ी कड़ी हैं और इनके पीछे कौन-कौन से सप्लायर सक्रिय हैं? नशीले पदार्थों की आपूर्ति करने वाले मुख्य स्रोत तक जांच एजेंसियां कब पहुंचेंगी? लगातार बरामदगी इस बात की ओर इशारा करती है कि जिले में नशे की सप्लाई का नेटवर्क सक्रिय हो सकता है। ऐसे में केवल स्थानीय स्तर पर आरोपियों की गिरफ्तारी तक कार्रवाई सीमित रखने के बजाय पूरे नेटवर्क की जांच करना जरूरी है। पुलिस को गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर उनके संपर्कों, नशीले पदार्थ की खरीद-फरोख्त और पैसों के लेन-देन से जुड़ी कड़ियों का पता लगाना होगा।

नशीले पदार्थों का अवैध कारोबार युवाओं और समाज के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती है। इस पर प्रभावी रोक लगाने के लिए पुलिस और संबंधित जांच एजेंसियों को संयुक्त रूप से कार्रवाई करनी होगी। यह भी पता लगाना जरूरी है कि नशीले पदार्थ की आपूर्ति किन रास्तों से हो रही है और जिले में इसकी बिक्री का नेटवर्क कितना विस्तृत है। आम लोगों की अपेक्षा है कि पुलिस केवल निचले स्तर पर सक्रिय लोगों की गिरफ्तारी तक सीमित न रहे, बल्कि जांच को आगे बढ़ाकर बड़े सप्लायर और पूरे तस्करी नेटवर्क का पदार्फाश करे। लगातार हो रही बरामदगी के बीच अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि एमडी ड्रग्स के कारोबार की जड़ तक कार्रवाई कब पहुंचेगी और जिले को इस नशे के खतरे से कब मुक्ति मिलेगी। नशे के अवैध कारोबार पर रोक लगाने के साथ-साथ युवाओं को इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना भी जरूरी है। शिक्षण संस्थानों, अभिभावकों और सामाजिक संगठनों को मिलकर जागरूकता अभियान चलाना चाहिए। पुलिस को भी नागरिकों से मिलने वाली सूचनाओं को गंभीरता से लेते हुए तस्करी के पूरे नेटवर्क पर कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ी को नशे के इस खतरे से सुरक्षित रखा जा सके।

गुरु तेग बहादुर पब्लिक स्कूल में दीपावली उत्सव किया गया आयोजन

वेलकम इंडिया नितिन शर्मा



नूरपुर। गुरु तेग बहादुर पब्लिक स्कूल, नूरपुर (बिजनौर) में प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी दीपावली उत्सव हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। कक्षा प्री नर्सरी के कक्षा द्वितीय तक के बच्चों के बीच दीपावली उत्सव और प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के पाँचों सदनों-सुभाष हाउस, गांधी हाउस, टैगोर हाउस, भगत सिंह हाउस एवं तेज हाउस के मध्य दीपावली उत्सव एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने नवदुर्गा, भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न, हनुमान जी एवं लंकापति रावण सहित विभिन्न पौराणिक पात्रों की आकर्षक वेशभूषा धारण कर अपनी प्रतिभा एवं रचनात्मकता का परिचय दिया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर को रंग-बिरंगी सजावट, आकर्षक कलाकृतियों एवं दीपावली की पारंपरिक साज-सज्जा से भव्य रूप प्रदान किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भगवान श्रीराम के जीवन पर आधारित नाट्य प्रस्तुतियाँ रहीं। विद्यार्थियों ने भगवान श्रीराम के जन्म, माता सीता से विवाह, वनवास, रावण वध तथा अयोध्या वापसी जैसे प्रमुख प्रसंगों का सुंदर एवं प्रभावशाली मंचन किया। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति, मर्यादा, सत्य, धर्म एवं बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश दिया। नन्हा बचपन सेक्शन से दक्ष, तमनप्रीत, एंजल, दर्शित, पराग, कृष्णकांत, आराध्या, श्रुति, श्रेया उत्कृष्ट रहे। पाँचों हाउस से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के नाम इस प्रकार रहे सुभाष हाउसः रिया, दिव्यंका, मनप्रीत, माविया, यशस्वी, अग्रिमा, गुनगुन, पर्व, प्रणव, सिद्ध, ध्रुवी आदि। गांधी हाउसः अदिति, हिफ्जा, आराध्या, वैष्णवी, आरुषि, अब्दुल्ला, मीनाक्षी, निष्ठा आदि। टैगोर हाउसः प्रियल, फाजिल, अलिशबा, कृतिका, दीपांशी, यथाशी, इच्छा आदि। भगत सिंह हाउसः मुकुल, रुद्र, शिवी, रितिका, नैतिक, सिद्धि, अव्या आदि। तेज हाउसः रीत, उदिशा, रुद्राक्ष, संस्कार, चेतना, भव्य आदि। इस अवसर पर विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर मनदीप सिंह एवं प्रधानाचार्य अवनीश कुमार ने सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को दीपावली एवं आगामी त्योहारों की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। प्रधानाचार्य अवनीश कुमार ने अपने संदेश में कहा कि त्योहार हमारी संस्कृति एवं परंपराओं के प्रतीक हैं। ये हमें आपसी मतभेद भुलाकर एक साथ आने, प्रेम, सद्भाव एवं खुशियाँ बाँटने की प्रेरणा देते हैं। मैनेजिंग डायरेक्टर मनदीप सिंह ने कहा कि दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भाई दूज केवल धार्मिक पर्व ही नहीं, बल्कि प्रकृति, परिवार एवं सामाजिक मूल्यों से जुड़े महत्वपूर्ण त्योहार हैं। दीपावली हमें जीवन में प्रकाश एवं सकारात्मकता का संदेश देती है, गोवर्धन पूजा हमें प्रकृति एवं पर्यावरण के संरक्षण का महत्व समझाती है तथा भाई दूज भाई-बहन के पवित्र प्रेम एवं अटूट रिश्ते को सुदृढ़ करती है। ये सभी पर्व हमें सदैव सत्य एवं सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम का समापन उत्साह, उमंग एवं उल्लास के वातावरण में हुआ। इस आयोजन ने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ने के साथ-साथ आपसी सहयोग, एकता एवं भाईचारे का संदेश भी दिया।

पुरानी रंजिश में युवक पर चाकू से हमला, खेत में घेरकर किया वार

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया



प्रतापगढ़। महेशगंज थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक पर चाकू से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। खेत में काम करने गए युवक को कथित तौर पर पहले से घात लगाए बैठे एक व्यक्ति ने घेर लिया और गाली-गलौज करते हुए चाकू से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में युवक घायल हो गया। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर उसे हमलावर से बचाया। घटना के बाद पीड़ित ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई और आरोपित के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार महेशगंज थाना क्षेत्र के झींगुर भग्गू का पुरवा निवासी दिनेश कुमार सरोज पुत्र नोखे लाल सरोज बीते बृहस्पतिवार शाम करीब चार बजे अपने खेत पर काम करने गया था। आरोप है कि वहां पहले से मौजूद बबलू सरोज ने पुरानी रंजिश को लेकर उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपी ने चाकू निकालकर उस पर हमला कर दिया। पीड़ित दिनेश कुमार सरोज के मुताबिक, हमले के दौरान उसकी कमर में बंधी बेल्ट की वजह से चाकू का एक वार कमर तक नहीं पहुंच सका। इसके बावजूद हमलावर ने कई बार वार करने का प्रयास किया, जिससे उसके हाथ और पीठ में चोटें आईं। अचानक हुए हमले से घबराए युवक ने शोर मचाकर आसपास के लोगों से मदद मांगी। आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव करते हुए उसे हमलावर के चंगुल से बचाया। पीड़ित का आरोप है कि घटना के बाद आरोपी ने उसे दोबारा हमला करने और जान से मारने की धमकी भी दी। घटना से संबंधित एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने की बात भी सामने आई है। दावा किया जा रहा है कि वायरल वीडियो में कथित हमले से जुड़ी घटना दिखाई दे रही है। मामले में पीड़ित ने महेशगंज थाने में तहरीर देकर आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने और उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है। उसका आरोप है कि शिकायत देने के बावजूद पुलिस ने अब तक मुकदमा दर्ज नहीं किया और न ही उसका मेडिकल परीक्षण कराया गया।

त्योहार के बीच बदहाल हुईं शहर की सड़कें, कीचड़ और फिसलन से लोग हो रहे चोटिल

वेलकम इंडिया संवाददाता



हापुड़। त्योहार के अवसर पर जहां शहर के बाजारों में खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है, वहीं नगर पालिका की निर्माण संबंधी अव्यवस्थाएं आम लोगों के लिए मुसीबत बन गई हैं। शहर के प्रमुख मार्गों पर कहीं नाला निर्माण के नाम पर खोदाई करके छोड़ दिया गया है तो कहीं इंटरलॉकिंग टाइल्स बिछाने के लिए सड़क किनारे मिट्टी डाल दी गई है। इसके चलते कई स्थानों पर कीचड़ और फिसलन की स्थिति बनी हुई है। सड़क पर फैली निर्माण सामग्री और गंदगी के कारण दोपहिया वाहन चालक फिसलकर चोटिल हो रहे हैं। वहीं, दुकानदारों और बाजार में खरीदारी करने पहुंच रहे ग्राहकों को भी आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शहर के व्यस्त फ्री गंज रोड पर रेलवे पार्क के पास करीब चार दिन पहले नाला निर्माण के लिए खोदाई की गई थी। नाले से निकाली गई मिट्टी और कीचड़ को सड़क पर ही फैला दिया गया है। इसके कारण मार्ग के एक तरफ काफी गंदगी जमा हो गई है। नाले से निकलने वाली गंदगी के चलते आसपास दुर्गंध भी फैल रही है। यह मार्ग शहर के प्रमुख और व्यस्त रास्तों में शामिल है। यहां बड़ी संख्या में दुकानें और रेस्टोरेंट होने के कारण दिनभर लोगों और वाहनों का आवागमन बना रहता है। ऐसे में सड़क पर फैली कीचड़ और निर्माण सामग्री लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रही है। विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों को यहां से गुजरने में काफी सावधानी बरतनी पड़ रही है। कई वाहन चालक फिसलकर चोटिल भी हो रहे हैं।

दीपावली पर हापुड़ पुलिस बनी सांता, 51 लोगों को लौटाए खोए मोबाइल

सीईआईआर पोर्टल की मदद से करीब 12 लाख रुपये कीमत के 51 मोबाइल फोन बरामद

वेलकम इंडिया/हरेंद्र शर्मा





हापुड़। दीपावली के त्योहार पर हापुड़ पुलिस ने 51 लोगों और उनके परिवारों को खुशियों का अनमोल तोहफा दिया। लंबे समय से अपने खोए हुए मोबाइल फोन वापस मिलने की उम्मीद छोड़ चुके लोगों के चेहरे उस समय खिल उठे, जब पुलिस ने उन्हें उनके मोबाइल फोन वापस सौंपे। जनपद पुलिस ने विभिन्न कंपनियों के 51 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सुपुर्द किए। बरामद मोबाइल फोन की अनुमानित कीमत करीब 12 लाख रुपये बताई गई है। त्योहार के मौके पर खोए हुए मोबाइल वापस मिलने से लोगों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए आभार जताया। दरअसल, मोबाइल फोन गुम होने या खो जाने के बाद पीड़ितों के सामने सबसे बड़ी परेशानी उनकी तलाश और उन्हें दोबारा प्राप्त करने की होती है। कई बार लोग काफी प्रयास करने के बाद भी अपने मोबाइल फोन वापस नहीं पा पाते और उन्हें उम्मीद छोड़नी पड़ती है। ऐसे ही लोगों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए हापुड़ पुलिस ने मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए विशेष प्रयास किए। पुलिस ने आधुनिक तकनीक और केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल की मदद से गुम हुए मोबाइल फोन की तलाश शुरू की। पुलिस ने सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से गुम हुए मोबाइल फोन की तकनीकी जानकारी जुटाई और उनकी लोकेशन एवं अन्य उपलब्ध विवरणों के आधार पर तलाश की।

इस दौरान जनपद के बाहर और दूसरे राज्यों में इस्तेमाल हो रहे मोबाइल फोन को भी चिह्नित किया गया। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस को 51 मोबाइल फोन बरामद करने में सफलता मिली। इसके बाद सभी मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों की पहचान और आवश्यक सत्यापन के बाद उन्हें सौंप दिए गए। दीपावली जैसे महत्वपूर्ण त्योहार पर मोबाइल फोन वापस मिलने से लोगों की खुशी दोगुनी हो गई। जिन लोगों ने लंबे समय से अपने मोबाइल मिलने की उम्मीद छोड़ दी थी, उनके लिए पुलिस की यह पहल किसी उपहार से कम नहीं रही। मोबाइल प्राप्त करने वाले लोगों ने कहा कि त्योहार के अवसर पर उन्हें अपनी खोई हुई संपत्ति वापस मिलने की खुशी है। उन्होंने हापुड़ पुलिस का धन्यवाद करते हुए उसकी कार्यशैली की प्रशंसा की। हापुड़ पुलिस की इस पहल ने यह संदेश भी दिया कि तकनीक और बेहतर पुलिसिंग के माध्यम से आम लोगों की समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। दीपावली के अवसर पर 51 लोगों को उनके खोए हुए मोबाइल फोन वापस लौटाकर पुलिस ने उनके त्योहार की खुशियों को और बढ़ा दिया।

2047 तक विकसित राज्य बनेगा उत्तराखंड: अमित शाह

अमित शाह ने उत्तराखंड को दी 1475 करोड़ की विकास योजनाओं की सौगात, 62 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास

वेलकम इंडिया संवाददाता





देहरादून। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शुक्रवार, 6 नवंबर को उत्तराखंड के दौरे पर देहरादून पहुंचे। यहां परेड ग्राउंड में आयोजित उत्तराखंड राज्योत्सव समारोह में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ उन्होंने प्रदेश को 1475.31 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं की सौगात दी। इन योजनाओं के माध्यम से सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन और शहरी विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। राज्योत्सव समारोह के दौरान कुल 62 विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया। इनमें 1073.11 करोड़ रुपये की लागत वाली 44 योजनाओं का शिलान्यास तथा 402.20 करोड़ रुपये की लागत वाली 18 योजनाओं का लोकार्पण शामिल है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य प्रदेश के पर्वतीय और मैदानी क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देना तथा आम जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। विकास योजनाओं में ऊर्जा विभाग की महत्वपूर्ण भागीदारी रही। उत्तराखंड पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीसीएल) से संबंधित 472.33 करोड़ रुपये की 20 योजनाओं का शिलान्यास और 77.93 करोड़ रुपये की तीन योजनाओं का लोकार्पण किया गया। इनसे प्रदेश में बिजली आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने और विद्युत सुविधाओं का विस्तार करने में मदद मिलेगी। पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए पेयजल निगम की 191.17 करोड़ रुपये की आठ योजनाओं का शिलान्यास और 82.03 करोड़ रुपये की पांच योजनाओं का लोकार्पण किया गया। इसके अलावा जल संस्थान की 62.30 करोड़ रुपये की दो योजनाओं का शिलान्यास किया गया। लोक निर्माण विभाग की 18.78 करोड़ रुपये की एक योजना का शिलान्यास तथा 99.68 करोड़ रुपये की तीन योजनाओं का लोकार्पण किया गया। शहरी विकास विभाग की 92.25 करोड़ रुपये की चार योजनाओं का शिलान्यास और 10.95 करोड़ रुपये की एक योजना का लोकार्पण किया गया। इनमें वर्ष 2027 में प्रस्तावित कुंभ मेले के मद्देनजर हरिद्वार में सड़क, पुल और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास से जुड़े कार्य भी शामिल हैं।

तकनीकी शिक्षा विभाग की 35.06 करोड़ रुपये की एक योजना का शिलान्यास तथा 61.98 करोड़ रुपये की तीन योजनाओं का लोकार्पण किया गया। इनमें नई टिहरी स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक में भवन निर्माण का कार्य शामिल है। पर्यटन विभाग की 43.70 करोड़ रुपये की दो योजनाओं का शिलान्यास किया गया। इनमें टिहरी की डोबरा-चांठी पार्क परियोजना और हेमकुंड साहिब रोपवे परियोजना के लिए विद्युत आपूर्ति से संबंधित कार्य शामिल हैं। गृह विभाग की 68.27 करोड़ रुपये की दो योजनाओं का शिलान्यास किया गया। इनमें देहरादून में 31.63 करोड़ रुपये की लागत से साइबर उत्कृष्टता केंद्र तथा हल्द्वानी में 36.64 करोड़ रुपये की लागत से अग्निशमन केंद्र के आवासीय भवनों का निर्माण शामिल है। डेयरी विकास विभाग की 48.21 करोड़ रुपये की योजना के तहत सितारगंज में मिल्क पाउडर प्लांट, आइसक्रीम प्लांट और बेकरी इकाई का निर्माण किया जाएगा। उच्च शिक्षा विभाग की 19.01 करोड़ रुपये की योजना के अंतर्गत अगस्त्यमुनि स्थित राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्नातकोत्तर भवन का निर्माण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त आवास, गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग की परियोजनाएं भी शामिल हैं।

गैर जमानती वारंट के दो आरोपी गिरफ्तार, न्यायालय भेजे गए

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जनपद में अपराधियों एवं न्यायालय के आदेशों की अवहेलना कर फरार चल रहे आरोपियों के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में दबिश देकर गैर जमानती वारंट से संबंधित दो वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों को आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर न्यायालय भेज दिया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, थाना मेंहदावल के उपनिरीक्षक मैनेजर यादव एवं हेड कांस्टेबल उपेन्द्र गौड़ की टीम ने कार्रवाई करते हुए कलामुद्दीन पुत्र इशहाक निवासी भैसामाफी, थाना मेंहदावल को गिरफ्तार किया। आरोपी के विरुद्ध न्यायालय से गैर जमानती वारंट जारी था और वह लंबे समय से न्यायालय में पेश नहीं हो रहा था। वहीं दूसरी कार्रवाई में थाना कोतवाली खलीलाबाद के उपनिरीक्षक विनोद कुमार यादव एवं कांस्टेबल कृष्णनारायण गोंड़ की टीम ने रामसागर उर्फ सागर पुत्र परमारथ विश्वकर्मा निवासी रेवड़ा विजयपुर, थाना हरपुर बुदहट, जनपद गोरखपुर को गिरफ्तार किया। उसके विरुद्ध भी न्यायालय से वारंट जारी था। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश करने के लिए भेज दिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार न्यायालय से जारी वारंटों के अनुपालन और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा। पुलिस अधिकारियों के अनुसार न्यायालय से जारी गैर जमानती वारंटों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराने के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

दरियाबाद में 12 नवंबर को होगा नातिया मुशायरा

संतकबीरनगर। विकासखंड सेमरियावां के दरियाबाद स्थित जामिया अरबिया उमर फारूक रहीमनगर दरियाबाद में आगामी 12 नवंबर को बाद नमाज इशा नातिया मुशायरे का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। मुशायरे में देश के विभिन्न क्षेत्रों से नामचीन शायर शिरकत कर अपने कलाम पेश करेंगे। कार्यक्रम के संयोजक रहमतुल्लाह नूर ने जानकारी देते हुए बताया कि मुशायरे में मोजम्मिल हयात, फखरूल इस्लाम, शमशीर जहानागंज, फारूक दिलकश, सरताज सुल्तानपुरी, शारिक इनामी, शराफत बिसवानी, अब्दुल्लाह बहराइची, अतहर फैजी और असद बस्तवी सहित कई प्रमुख शोअरा शिरकत करेंगे। मुशायरे की निजामत असलम परवाना करेंगे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता ऑल इंडिया तहफ्फुजे मदारिस के अध्यक्ष मौलाना नूरूल होदा कासमी करेंगे। आयोजकों ने क्षेत्र के लोगों और अदब के शौकीनों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है।

रंगोली प्रतियोगिता में कक्षा 10 के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया

वेलकम इंडिया संवाददाता



संतकबीरनगर। बुद्धा मिशनरी स्कूल महुआरी में आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में कक्षा 10 के दीपक कुमार की टीम ने भगवान श्री राम और माता सीता जी का चित्रण बड़ी की खूबसूरती से किया और विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा अपनी रचनात्मक प्रतिभा, कलात्मक कौशल एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय देते हुए विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई आकर्षक एवं संदेशपरक रंगोलियों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता, कला के प्रति रुचि, आपसी सहयोग एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य सुशील कुमार ने विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों की प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास एवं सृजनात्मक सोच विकसित करती हैं। वहीं विद्यालय के संचालक सौरभ दिनकर ने विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल किताबी शिक्षा तक सीमित न रहकर बच्चों की छिपी हुई प्रतिभाओं को पहचानना और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करना है। कार्यक्रम में सहायक अध्यापक उमरेंद्र विक्रम, रामचन्द्र, राकेश सिंह, प्रवेश कुमार, हर्षित पटेल, प्रदीप प्रजापति, अम्मू भारती, प्रीति यादव, संजना भारती एवं अस्मिता सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में घायल पिता-पुत्र को पीआरवी ने पहुंचाया अस्पताल

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जनपद में आपातकालीन पुलिस सेवा की तत्परता से सड़क दुर्घटना में घायल दो लोगों को समय पर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। थाना कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र में मोटरसाइकिल और ऑटो के बीच हुई टक्कर में पिता-पुत्र घायल हो गए। सूचना मिलते ही पीआरवी 8288 की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल भिजवाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के राज ग्लोबल स्कूल (नवीन मंडी) के पास मोटरसाइकिल और ऑटो के बीच टक्कर हो गई। हादसे में धीरेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र स्वर्गीय सत्यनारायण सिंह निवासी डीएम आवास के पास, थाना कोतवाली खलीलाबाद तथा उनके पुत्र श्रेयास सिंह घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर मौजूद कॉलर ने पीआरवी 8288 को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पीआरवी पर तैनात कांस्टेबल अजीत यादव और मुख्य आरक्षी चालक सुरेन्द्र शर्मा बिना देर किए घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने स्थिति का जायजा लेते हुए घायलों को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था की। इसके बाद 108 एंबुलेंस की सहायता से दोनों घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजवाया गया। साथ ही दुर्घटना की जानकारी थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस को भी दी गई, ताकि मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा सके। पुलिसकर्मियों की तत्परता से दुर्घटना के बाद घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाने में मदद मिली। आपातकालीन परिस्थितियों में पीआरवी टीम की त्वरित कार्रवाई से एक बार फिर पुलिस की जनसेवा और तत्परता सामने आई।

दिल्ली में चौकीदार की लोहे की रॉड से पीटकर हत्या, 12 घंटे में आरोपी गिरफ्तार

निमार्णाधीन इमारत में चारपाई पर मिला 28 वर्षीय दिलीप कुमार का शव, पैसों के विवाद में हत्या का आरोप

वेलकम इंडिया/एहसान अंसारी



नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के उत्तर-पश्चिमी जिले के मॉडल टाउन थाना क्षेत्र में एक निमार्णाधीन इमारत में चौकीदार की बेरहमी से हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। डेरावाल नगर स्थित मकान नंबर ए-93 में 28 वर्षीय चौकीदार दिलीप कुमार की लोहे की रॉड और सब्बल से हमला कर हत्या कर दी गई। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया, लेकिन मॉडल टाउन थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए महज 12 घंटे के भीतर उसे उत्तर प्रदेश के मुगलसराय रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, हत्या के पीछे पैसों का विवाद और आपसी रंजिश मुख्य वजह बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक, 5 नवंबर को डेरावाल नगर स्थित निमार्णाधीन इमारत में एक व्यक्ति के बेहोशी की हालत में पड़े होने की सूचना पुलिस नियंत्रण कक्ष को मिली थी। सूचना मिलते ही मॉडल टाउन थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने इमारत के अंदर जांच की तो पार्किंग क्षेत्र में एक चारपाई पर व्यक्ति मृत अवस्था में मिला। मृतक के माथे और गर्दन पर गंभीर चोटों के निशान थे। जांच के दौरान उसकी पहचान 28 वर्षीय दिलीप कुमार के रूप में हुई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि मृतक दिलीप कुमार और आरोपी राहुल उर्फ गुलाब के बीच पैसों को लेकर अक्सर विवाद होता था। पुलिस के अनुसार, आरोपी बिहार स्थित अपने गांव जाने के लिए दिलीप से रुपये मांग रहा था, लेकिन रुपये नहीं मिलने के कारण दोनों के बीच तनाव बढ़ गया था। इसके अलावा गाली-गलौज और अपमानजनक व्यवहार को लेकर भी दोनों के बीच विवाद रहता था। पुलिस जांच के अनुसार, 4 नवंबर को दोनों के बीच एक बार फिर कहासुनी हुई। आरोप है कि इसी दौरान शराब के नशे में राहुल उर्फ गुलाब ने लोहे की रॉड और सब्बल से दिलीप कुमार के सिर, माथे और गर्दन पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। गंभीर चोटों के कारण दिलीप की मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए मॉडल टाउन थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक गिरी की देखरेख में विशेष पुलिस टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने स्थानीय खुफिया जानकारी और तकनीकी इनपुट के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि आरोपी वारदात के बाद बिहार भागने की कोशिश कर रहा है। इसके बाद पुलिस टीम ने रेलवे कर्मचारियों के साथ समन्वय स्थापित कर उत्तर प्रदेश के मुगलसराय रेलवे स्टेशन पर तलाशी अभियान चलाया। ट्रेन के अलग-अलग डिब्बों में तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपी राहुल उर्फ गुलाब को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की उम्र 30 वर्ष बताई गई है और वह बिहार के भागलपुर जिले का निवासी है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद उससे पूछताछ शुरू कर दी है। इस मामले में एफआईआर संख्या 420/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस हत्या से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, स्थानीय पुलिस टीम और रेलवे कर्मचारियों के आपसी समन्वय से आरोपी को घटना के करीब 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार करने में सफलता मिली। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर हत्या से संबंधित साक्ष्य जुटाने में लगी है।

अपनों से दूर विधवा माताओं ने कान्हा के आंगन में मनाई दीपावली, 500 साल पुराने गोपीनाथ मंदिर में जलाए दीप

वेलकम इंडिया संवाददाता



मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण की नगरी वृंदावन में दीपावली का पर्व इस बार उन माताओं के लिए खास बन गया, जो अपने परिवार और अपनों से दूर रहकर यहां जीवन व्यतीत कर रही हैं। विभिन्न राज्यों से आकर वृंदावन के आश्रय सदनों में रह रही विधवा एवं वृद्ध महिलाओं ने शुक्रवार को प्राचीन गोपीनाथ मंदिर में दीपावली का उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया। करीब 500 वर्ष पुराने इस मंदिर में सैकड़ों माताओं ने रंग-बिरंगे दीप जलाकर ठाकुर श्रीराधागोपीनाथ के चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित की। हरिनाम संकीर्तन और भक्ति के वातावरण में आयोजित इस कार्यक्रम ने दीपावली की खुशियों को एक अलग ही अर्थ दिया। यह विशेष आयोजन सुलभ इंटरनेशनल की ओर से किया गया। इसमें पश्चिम बंगाल सहित देश के विभिन्न राज्यों से आकर वृंदावन में निवास कर रहीं विधवा एवं वृद्ध महिलाओं ने भाग लिया। मंदिर परिसर में माताओं ने एक साथ दीप प्रज्ज्वलित किए और भगवान श्रीकृष्ण से अपने जीवन में सुख, शांति और खुशहाली की प्रार्थना की। लंबे समय से परिवार से दूर रह रही इन महिलाओं के लिए यह आयोजन केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि अपनत्व, सम्मान और सामाजिक सहभागिता का अवसर भी बना। सुलभ इंटरनेशनल की कार्यकारी संयोजक नित्या पाठक ने कहा कि भारतीय समाज में लंबे समय तक विधवा महिलाओं को त्योहारों और शुभ अवसरों से दूर रखने की परंपरा रही है। उन्हें सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों में बराबर की भागीदारी नहीं मिल पाती थी। ऐसी सोच को बदलने और विधवा माताओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से इस तरह के आयोजन किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दीपावली प्रकाश, खुशियों और नई उम्मीदों का पर्व है।

धीरेंद्र शास्त्री के समर्थन में संतों की हुंकार, अखिलेश यादव को दी कृष्ण जन्मभूमि के लिए अभियान चलाने की नसीहत

वृंदावन में लगातार दूसरे दिन जुटे संत और भागवताचार्य, बोले- संतों एवं धमार्चार्यों का अपमान बर्दाश्त नहीं होगा; सनातन बोर्ड के गठन की उठाई मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता



मथुरा। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के भगवान श्रीकृष्ण को लेकर दिए गए बयान पर उठे विवाद के बीच संत समाज खुलकर उनके समर्थन में उतर आया है। वृंदावन में लगातार दूसरे दिन संतों और भागवताचार्यों की बैठक आयोजित की गई। शुक्रवार को रमणरेती मार्ग स्थित एक होटल में हुई इस बैठक में संतों ने धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का समर्थन करते हुए उनका विरोध करने वालों पर नाराजगी जताई। बैठक में 'संत का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान' के नारे भी लगाए गए। संतों ने कहा कि किसी बयान को उसके पूरे संदर्भ में समझे बिना विवाद खड़ा करना उचित नहीं है। उन्होंने इस मुद्दे को सनातन धर्म, संत परंपरा और धार्मिक अभिव्यक्ति से जोड़ते हुए अपनी बात रखी। बैठक में मौजूद संतों एवं धमार्चार्यों ने कहा कि धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के बयान का विरोध करने के नाम पर संत परंपरा को निशाना बनाया जा रहा है। उनके अनुसार, संतों और धमार्चार्यों का सम्मान भारतीय संस्कृति एवं धार्मिक परंपराओं से जुड़ा विषय है। उन्होंने आरोप लगाया कि सनातन धर्म के प्रभावशाली संतों और कथावाचकों को लेकर बार-बार विवाद खड़े किए जा रहे हैं। बैठक में संतों ने सनातन धर्म के संरक्षण और धार्मिक संस्थाओं को मजबूत बनाने के लिए सनातन बोर्ड के गठन की आवश्यकता पर भी जोर दिया। संत गोविंदानंद तीर्थ और भागवताचार्य कृष्ण चंद्र शास्त्री ने कहा कि धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के बयान को गलत तरीके से प्रस्तुत किया जा रहा है। उनके मुताबिक, भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण के अवतारों के प्रसंग एवं उद्देश्य अलग-अलग हैं। भगवान श्रीराम का अवतार मयार्दा की स्थापना के लिए हुआ, जबकि भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का स्वरूप अलग रहा है। ऐसे में दोनों के प्रसंगों में अंतर होना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि किसी भी धार्मिक वक्तव्य को समझने के लिए उसके भाव और संदर्भ को देखना जरूरी है। संतों ने चेतावनी देते हुए कहा कि सनातन धर्म, संतों, धमार्चार्यों और ब्राह्मण समाज को लगातार निशाना बनाने की कोशिश की गई तो इसका विरोध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संत समाज अपनी धार्मिक परंपराओं और मान्यताओं के सम्मान को लेकर सजग है। बैठक में यह भी कहा गया कि धार्मिक विषयों पर चर्चा और असहमति हो सकती है, लेकिन किसी भी संत का अपमान नहीं होना चाहिए। बैठक में संतों ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को भी नसीहत दी। संतों ने कहा कि यदि अखिलेश यादव को सनातन धर्म और भगवान श्रीकृष्ण के प्रति विशेष लगाव है तो उन्हें मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मुद्दे पर आगे आकर अभियान चलाना चाहिए। संतों ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि से जुड़ा विषय लंबे समय से चर्चा में है। यदि अखिलेश यादव इस विषय पर पहल करते हैं तो संत और धमार्चार्य उनका साथ देने के लिए तैयार रहेंगे। संतों ने आरोप लगाया कि धार्मिक मुद्दों को राजनीतिक दृष्टिकोण से उठाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संतों और धमार्चार्यों को निशाना बनाने के बजाय धार्मिक विषयों पर गंभीरता और मयार्दा के साथ संवाद होना चाहिए। बैठक में वक्ताओं ने यह भी कहा कि सनातन धर्म की परंपराओं और धार्मिक स्थलों से जुड़े विषयों पर समाज के सभी वर्गों को अपनी बात रखने का अधिकार है। स्वामी सत्यमित्रानंद महाराज ने कहा कि सनातन धर्म और उसे आगे बढ़ाने वाले संतों एवं धमार्चार्यों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश में सनातन परंपराओं, धार्मिक संस्थाओं और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए सनातन बोर्ड का गठन आवश्यक है। उनके अनुसार, एक संगठित व्यवस्था बनने से धार्मिक संस्थाओं और परंपराओं से जुड़े विषयों को बेहतर ढंग से सामने रखा जा सकेगा। बैठक में संतों ने आरोप लगाया कि सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार में लगे लोगों के खिलाफ लगातार माहौल बनाया जा रहा है। उन्होंने धार्मिक रूपांतरण से जुड़े मुद्दों पर भी चिंता व्यक्त की और कहा कि संत समाज धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण के लिए अपनी आवाज उठाता रहेगा। इस दौरान आगामी चुनावों के संदर्भ में भी संतों ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि धार्मिक मान्यताओं और संत समाज से जुड़े मुद्दों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। संतों ने स्पष्ट किया कि सनातन धर्म, धार्मिक परंपराओं और संतों के सम्मान से जुड़े विषयों पर वे एकजुट होकर अपनी बात रखेंगे। बैठक में नाभा पीठाधीश्वर सुतीक्ष्ण दास महाराज, संत गोविंदानंद तीर्थ, संजीव कृष्ण ठाकुर, आचार्य मृदुल कांत शास्त्री, मनीष चतुवेर्दी, महामंडलेश्वर कृष्णानंद, रामचंद्र दास, आचार्य देवांशु, शिवांश मिश्र, अश्वनी मिश्रा, शिवम, हरिवंश मिश्रा, गुरु प्रसाद हरिहर, मुद्गल शास्त्री, सुमंत शास्त्री, अरविंद कृष्ण देवानंद महाराज, विनय त्रिपाठी, धनंजय दास, रसराज महाराज, अतुल कृष्ण और संजय पंडित सहित अनेक संत एवं धमार्चार्य उपस्थित रहे। बैठक में सभी ने सनातन परंपराओं के संरक्षण, धार्मिक संस्थाओं की मजबूती और संत समाज की एकजुटता पर जोर दिया।

नेपाल के खिलाड़ियों ने दिखाया दम, नानपारा का संघर्ष नहीं आया काम

पांचवें लीग मैच में 5-1 से मिली बड़ी जीत, मैदान में रोमांचक रहा मुकाबला

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती



पूरनपुर/पीलीभीत। चंदिया में आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता के पांचवें लीग मुकाबले में नेपाल एफसी की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए नवयुवक क्लब नानपारा को 5-1 गोल के बड़े अंतर से पराजित कर दिया। शुक्रवार को खेले गए इस मुकाबले में दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने मैदान पर जमकर पसीना बहाया। शुरूआत से ही नेपाल की टीम ने आक्रामक रुख अपनाया और विपक्षी टीम पर दबाव बनाए रखा।विवेकानंद स्पोर्ट्स क्लब चंदिया-हजारा की ओर से आयोजित इस फुटबॉल प्रतियोगिता का मुकाबला 6 नवंबर 2026 को नेपाल एफसी और नवयुवक क्लब नानपारा के बीच खेला गया। मैच शुरू होते ही नेपाल की टीम ने तेज रफ्तार खेल दिखाते हुए नानपारा के गोलपोस्ट पर लगातार हमले किए। खिलाड़ियों के बेहतरीन तालमेल और शानदार पासिंग के दम पर नेपाल ने शुरूआती दौर में ही दो गोल दागकर बढ़त बना ली।इसके बाद नानपारा की टीम ने भी वापसी की कोशिश की और एक गोल कर मुकाबले में रोमांच बढ़ा दिया। हालांकि नेपाल के खिलाड़ियों ने विपक्षी टीम को ज्यादा देर तक संभलने का मौका नहीं दिया। कुछ ही देर बाद नेपाल ने तीसरा गोल कर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। मध्यांतर तक मुकाबला काफी संघर्षपूर्ण रहा और दोनों टीमों के बीच गोल करने की होड़ देखने को मिली।दूसरे हाफ में नेपाल एफसी के खिलाड़ियों ने और आक्रामक अंदाज में खेलना शुरू किया। टीम ने लगातार हमले करते हुए दो और गोल दाग दिए। इसके साथ ही नेपाल ने कुल पांच गोल कर मुकाबले पर अपनी पकड़ पूरी तरह मजबूत कर ली। नानपारा की टीम ने भी गोल अंतर कम करने के लिए कई प्रयास किए, लेकिन नेपाल के खिलाड़ियों के मजबूत रक्षात्मक खेल के सामने उनकी एक नहीं चली।अंततः निर्धारित समय समाप्त होने पर नेपाल एफसी ने 5-1 के स्कोर से शानदार जीत दर्ज की। मुकाबले में नेपाल की टीम का प्रदर्शन दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा।आयोजन से जुड़े लोगों के अनुसार प्रतियोगिता का उद्देश्य क्षेत्र में फुटबॉल खेल को बढ़ावा देना और ग्रामीण प्रतिभाओं को बेहतर मंच उपलब्ध कराना है। मैच का संचालन प्रवीर सरकार और रविंद्रनाथ सरकार ने किया। आयोजन में खेल प्रेमियों और स्थानीय लोगों की मौजूदगी रही।

मोहन सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में हर्षोल्लास से मनाया गया धनतेरस और दीपावली पर्व

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती



पूरनपुर/पीलीभीत। नगर के पुरानी स्टेट बैंक के निकट स्थित मोहन सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में धनतेरस और दीपावली का पर्व हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में उत्सवी माहौल देखने को मिला। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने दीप और मोमबत्तियां जलाकर प्रकाश पर्व की खुशियां साझा कीं कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य नीरज दीक्षित ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर एवं पुष्प अर्पित करके किया। इसके बाद विद्यालय के आचार्य सुबोध कुमार अग्निहोत्री ने विद्यार्थियों को दीपावली पर्व की धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्ता से परिचित कराया। उन्होंने बताया कि दीपावली का पर्व कब और किन परिस्थितियों में प्रारंभ हुआ तथा भारतीय संस्कृति में इसका क्या महत्व है। उन्होंने विद्यार्थियों को पर्व की परंपराओं और इसके पीछे छिपे संदेशों की जानकारी देते हुए बताया कि दीपावली अंधकार पर प्रकाश और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के छोटे-छोटे भैया-बहनों ने उत्साहपूर्वक दीप और मोमबत्तियां जलाकर दीपोत्सव मनाया। बच्चों के चेहरों पर पर्व की खुशी साफ दिखाई दी। विद्यालय परिसर दीपों की रोशनी से जगमगा उठा। शिक्षकों ने बच्चों को दीपावली का पर्व आपसी प्रेम, भाईचारे, सद्भाव और खुशियां बांटने के साथ मनाने का संदेश दिया।इस अवसर पर प्रधानाचार्य नीरज दीक्षित, विद्यालय के व्यवस्थापक आलोक कुमार गुप्त तथा शिशु शिक्षा समिति ब्रज प्रदेश के अध्यक्ष मनोज कुमार गुप्त ने सभी विद्यार्थियों एवं विद्यालय परिवार के समस्त कर्मचारियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

रेडिको खेतान लिमिटेड की सी.एस.आर. पहल के अंतर्गत पनवड़िया में आयुर्वेदिक नेत्र ओपीडी का शुभारंभ किया गया

वेलकम इंडिया/गुलजार आलम



रामपुर। रेडिको खेतान लिमिटेड की सी.एस.आर. पहल के अंतर्गत पनवड़िया में आयुर्वेदिक नेत्र ओपीडी का शुभारंभ सी.एस.आर. चेयरपर्सन श्रीमती अनीता चौहान जी द्वारा, अमर सिंह जी, डायरेक्टर एवं अजय प्रताप सिंह जी, असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट झ मानव संसाधन एवं प्रशासन की उपस्थिति में किया गया। यह आयुर्वेदिक नेत्र ओपीडी पनवड़िया एवं आसपास के क्षेत्रों में रेडिको सी.एस.आर. द्वारा संचालित स्वास्थ्य सेवाओं की श्रृंखला में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इसका मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के निवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा निःशुल्क चिकित्सा सेवाओं के माध्यम से उनके स्वास्थ्य एवं जीवन स्तर में सुधार लाना है। इस पहल के माध्यम से क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क परामर्श एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। ओपीडी के माध्यम से लाभार्थियों को सकारात्मक उपचार अनुभव प्राप्त हो रहे हैं, जिससे क्षेत्र में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने तथा बेहतर चिकित्सा सुविधाएं सुलभ कराने में महत्वपूर्ण योगदान मिल रहा है। इस जनकल्याणकारी पहल का क्षेत्रवासियों द्वारा स्वागत एवं सराहना की गई। साथ ही, निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता निभाने के लिए रेडिको खेतान लिमिटेड एवं विशेष रूप से सी.एस.आर. चेयरपर्सन श्रीमती अनीता चौहान जी के प्रति आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया गया।

वैज्ञानिक तकनीक से गन्ने की खेती करने पर जोर, किसानों को बताए अधिक उत्पादन के तरीके

शरदकालीन बुवाई, उन्नत प्रजातियों के चयन और फसल को रोगों से बचाने की दी गई जानकारी

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती



पूरनपुर/पीलीभीत। ट्रांस शारदा क्षेत्र के ग्राम भरजूनियां फार्म स्थित जानकी देवी खादी ग्रामोद्योग सेवा संस्था परिसर में शुक्रवार को गन्ने की उन्नत खेती को बढ़ावा देने और किसानों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से कृषक गोष्ठी आयोजित की गई। गन्ना विकास समिति संपूर्णानगर और किसान सहकारी चीनी मिल लिमिटेड संपूर्णानगर, खीरी के संयुक्त तत्वावधान में हुई गोष्ठी में शाहजहांपुर से पहुंचे कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को आधुनिक खेती की बारीकियों से रूबरू कराया।कार्यक्रम की अध्यक्षता चीनी मिल के संचालक प्रेमचंद ने की। इस दौरान चीनी मिल के मुख्य गन्ना अधिकारी उदयभान सिंह ने किसानों से आगामी पेराई सत्र में मिल को ताजा, साफ-सुथरा और गुणवत्तापूर्ण गन्ना आपूर्ति करने की अपील की। उन्होंने कहा कि गन्ने की गुणवत्ता बेहतर होने से किसानों और चीनी मिल दोनों को लाभ मिलता है। गन्ना संस्थान शाहजहांपुर के सह निदेशक डॉ. पीके कपिल और डॉ. सुनील कुमार विश्वकर्मा ने किसानों को शरदकालीन गन्ना बुवाई, उन्नतिशील प्रजातियों के चयन और फसल को रोगों से बचाने के वैज्ञानिक उपाय बताए। डॉ. कपिल ने कहा कि अच्छी पैदावार के लिए स्वस्थ एवं गुणवत्तापूर्ण बीज का चयन बेहद जरूरी है। किसानों को शीघ्र पकने वाली, सामान्य और उन्नत प्रजातियों के बारे में जानकारी देते हुए वैज्ञानिक विधि से बुवाई करने की सलाह दी।वहीं डॉ. सुनील कुमार विश्वकर्मा ने गन्ने में लगने वाले विभिन्न रोगों की पहचान, उनके लक्षण और बचाव के तरीके समझाए। उन्होंने दलहनी एवं तिलहनी फसलों के साथ सहफसली खेती अपनाने पर जोर देते हुए बताया कि आधुनिक कृषि तकनीकों के इस्तेमाल से लागत घटाकर उत्पादन बढ़ाया जा सकता है।गोष्ठी में प्रगतिशील किसानों ने खेती से जुड़ी समस्याएं और सवाल वैज्ञानिकों के सामने रखे। विशेषज्ञों ने मौके पर ही उनकी जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उपयोगी सुझाव दिए। किसानों ने गोष्ठी को खेती के लिहाज से लाभदायक बताया।इस मौके पर समिति सचिव गंगाराम यादव, ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक मिथिलेश कुमार पांडेय, संचालक राधेश्याम गुप्ता, सूर्यप्रकाश द्विवेदी, सत्येंद्र त्रिपाठी, जयपाल चौधरी, राममिलन, अंकुर शुक्ला, अमित कुमार, सिखरेश, रविकुमार, छविनाथ सिंह, एडवोकेट हरसुवरन लाल सहित दलबीर सिंह, जागीर सिंह, यशबीर सिंह, परमात्मा, सतनाम सिंह, किशोर यादव, प्रगट सिंह, मनदीप सिंह, राकेश यादव, पत्रकार गौरव भारती, गुरसेठपाल सिंह, तलविंदर सिंह खानियां और कर्मजीत सिंह समेत बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

पंच दिवसीय दीपोत्सव के महत्व से रूबरू हुए विद्यार्थी, दीप सज्जा में दिखाई प्रतिभा

रामस्वरूप रामदुलारी सरस्वती विद्या मंदिर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम, 135 विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में लिया हिस्सा

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती



पूरनपुर/पीलीभीत। नगर के रामस्वरूप रामदुलारी सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में दीपावली के अवसर पर पंच दिवसीय दीपोत्सव को लेकर विभिन्न शैक्षिक एवं रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और त्योहारों के सामाजिक महत्व की जानकारी दी गई। वहीं आयोजित दीप सज्जा प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा और कल्पनाशीलता का शानदार प्रदर्शन किया।विद्यालय की वंदना सभा में उपप्रधानाचार्य मोहित अवस्थी, शिवनारायण मिश्र और अंशु वर्मा के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को पांच दिवसीय दीपोत्सव के महत्व से परिचित कराया गया। धनतेरस, नरक चतुर्दशी, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भैया दूज से जुड़ी धार्मिक मान्यताओं एवं परंपराओं की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि ये पर्व केवल उत्सव तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सुख-समृद्धि, बुराई पर अच्छाई की विजय, प्रकृति संरक्षण, पारिवारिक प्रेम और सामाजिक सद्भाव का संदेश भी देते हैं।इसी क्रम में कक्षा छह से आठ तक के विद्यार्थियों के लिए दीप सज्जा प्रतियोगिता आयोजित हुई। इसमें 135 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। बच्चों ने मिट्टी के साधारण दीयों को आकर्षक रंगों और कलात्मक सजावट से खूबसूरत रूप दिया। प्रतियोगिता का निरीक्षण सुधा गुप्ता और श्रद्धा गुप्ता ने किया, जबकि कार्यक्रम का संचालन टीना ने किया।प्रतियोगिता के छात्रा वर्ग में कक्षा आठ-सी की सुवी यादव ने पहला, कक्षा छह-सी की अनुराधा ने दूसरा और कक्षा आठ-सी की नव्या ने तीसरा स्थान हासिल किया। छात्र वर्ग में कक्षा आठ-बी के सात्विक प्रथम, कक्षा सात-ए के उत्सव कुमार द्वितीय और कक्षा छह-बी के प्रियांशु तृतीय स्थान पर रहे।इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति की ओर से शिक्षक-शिक्षिकाओं और कर्मचारियों को मिठाई एवं उपहार देकर दीपावली की शुभकामनाएं दी गईं। प्रधानाचार्य सौरभ वार्ष्णेय ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियां बच्चों की छिपी प्रतिभा को निखारने के साथ उनमें आत्मविश्वास और भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान बढ़ाती हैं। उन्होंने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के साथ त्योहार मनाने का संदेश दिया।कार्यक्रम में प्रबंध समिति के अध्यक्ष केशव कुमार गुप्ता, प्रबंधक हर्ष गुप्ता, सह-प्रबंधक अनुराग गुप्ता, कोषाध्यक्ष देवेश कुमार अग्रवाल और उपाध्यक्ष मनोज कुमार गुप्ता ने भी विद्यालय परिवार को शुभकामनाएं दीं। पूरे विद्यालय में दीपोत्सव का उल्लास और उत्साह दिखाई दिया।

ग्राम प्रधान नूर मोहम्मद और सचिव मंजुल मिश्रा ने संभाली स्वच्छता की कमान, गांव की गलियों व नालियों की कराई सफाई

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती



पूरनपुर/पीलीभीत। दीपावली पर्व को लेकर ग्राम पंचायत गोरा में साफ-सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। ग्राम प्रधान नूर मोहम्मद व सचिव मंजुल मिश्रा की पहल पर गांव की गलियों, सड़कों और नालियों की सफाई कराई गई। त्योहार के मद्देनजर चलाए गए इस अभियान का उद्देश्य गांव को स्वच्छ और सुंदर बनाने के साथ ग्रामीणों को साफ-सुथरा वातावरण उपलब्ध कराना रहा।थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र की ग्राम पंचायत गोरा में दीपावली को देखते हुए सार्वजनिक स्थानों की सफाई पर विशेष जोर दिया गया। अभियान के तहत गांव के विभिन्न मोहल्लों में सफाई कराई गई और रास्तों के किनारे जमा गंदगी को हटवाया गया। नालियों की सफाई कर जल निकासी व्यवस्था को भी दुरुस्त करने का प्रयास किया गया, जिससे त्योहार के दौरान लोगों को गंदगी और जलभराव जैसी समस्याओं का सामना न करना पड़े।दीपावली पर लोग अपने घरों की साफ-सफाई कर रंगोली और रोशनी से सजावट करते हैं। ऐसे में गांव के सार्वजनिक रास्तों और आसपास के वातावरण का स्वच्छ रहना भी जरूरी है। इसी सोच के साथ ग्राम प्रधान ने पंचायत स्तर पर सफाई अभियान चलवाया, ताकि गांव के सभी मोहल्लों में स्वच्छता बनी रहे।ग्राम प्रधान नूर मोहम्मद ने कहा कि त्योहारों के समय स्वच्छता का विशेष महत्व होता है। ग्राम पंचायत की ओर से सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे घरों का कूड़ा इधर-उधर न फेंकें और नालियों में गंदगी न डालें। गांव को साफ-सुथरा रखने के लिए सभी लोगों को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी।अभियान के दौरान ग्रामीणों ने भी सफाई व्यवस्था को लेकर संतोष जताया।

खानकाह हसनी मकसूदी जहांगीरी में चार दिवसीय उर्स आज से होगा शुरू

ख्वाजा सूफी मकसूद हसन शाह का 13वां सालाना उर्स

वेलकम इंडिया संवाददाता



अमरिया/पीलीभीत। अमरिया क्षेत्र के ग्राम धुंधरी स्थित खानकाह हसनी मकसूदी जहांगीरी में हजरत ख्वाजा सूफी मकसूद हसन शाह रहमतुल्लाह अलैह का 13वां सालाना उर्स-ए-मकसूदुल औलिया शनिवार से अकीदत और एहतराम के साथ शुरू होगा। चार दिवसीय इस सालाना उर्स को लेकर खानकाह परिसर में तैयारियां की जा रही हैं। आयोजन में दूरदराज के क्षेत्रों से जायरीनों और अकीदतमंदों के पहुंचने की उम्मीद है।उर्स के दौरान विभिन्न धार्मिक और रूहानी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आठ नवंबर, रविवार को दरगाह पर चादरपोशी की रस्म अदा की जाएगी। इस दौरान जायरीन चादर पेश कर मुल्क और कौम की सलामती, अमन-चैन तथा खुशहाली के लिए दुआएं मांगेंगे। नौ नवंबर, सोमवार को सुबह दस बजे कुल शरीफ का आयोजन होगा। इस मौके पर खानकाह में विशेष दुआ और फातिहा का एहतमाम किया जाएगा। इसके अलावा 11 नवंबर, मंगलवार को सुबह दस बजे गुस्ल और संदल शरीफ उठाने की रस्म अदा की जाएगी। उर्स में शामिल होने के लिए विभिन्न स्थानों से अकीदतमंदों के पहुंचने का सिलसिला जारी रहने की संभावना है।ख्वाजा सूफी मकसूद हसन शाह रहमतुल्लाह अलैह के सालाना उर्स को लेकर क्षेत्र के लोगों में विशेष उत्साह है। खानकाह से जुड़े लोगों की ओर से आयोजन को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने की तैयारियां की जा रही हैं। चार दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में इबादत, दुआ और आपसी भाईचारे का संदेश प्रमुख रहेगा। उर्स के अवसर पर जायरीन हजरत की दरगाह पर हाजिरी देकर अपनी अकीदत का इजहार करेंगे।

सिलिंडर की पाइप में रिसाव से लगी आग, गृहस्थी का सामान नष्ट

बेटी की शादी के लिए जुटाए जेवर भी जले, इलाज के मेडिकल कागजात तक नहीं बचे

वेलकम इंडिया संवाददाता



सकरपार। बांसी कोतवाली क्षेत्र के हसवापार गांव के टोला खड़ियवा में शुक्रवार सुबह गैस सिलिंडर की पाइप में रिसाव से आग लग गई। हादसे में घर में रखा तीन क्विंटल गेहूं, नकदी, कपड़े और बेटी की शादी के लिए जुटाए जेवर जलकर राख हो गए। आग में इलाज से संबंधित मेडिकल कागजात भी नष्ट हो गए, जिससे परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। टोला खड़ियवा निवासी गीता देवी पत्नी महेंद्र लोधी शुक्रवार सुबह करीब सात बजे कमरे में गैस सिलिंडर पर खाना बना रही थीं। इसी दौरान गैस पाइप में रिसाव होने से अचानक आग लग गई। लपटें सिलिंडर तक पहुंचने लगीं। यह देख गीता देवी किसी तरह कमरे से बाहर निकलीं और शोर मचाने लगीं। उनकी आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाने में जुट गए। हालांकि, जब तक ग्रामीण आग पर काबू पाते, तब तक घर में रखा सामान जल चुका था। गीता देवी के मुताबिक, आग में बर्तन, कपड़े, करीब तीन क्विंटल गेहूं, एक लाख रुपये से अधिक कीमत के जेवर और 10 हजार रुपये नकद जल गए। घर में रखे जरूरी दस्तावेज भी आग की भेंट चढ़ गए। घटना की सूचना पर डायल 112 की पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद क्षेत्रीय लेखपाल श्रवण ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर नुकसान का जायजा लिया। इस दौरान ग्राम प्रशासक प्रतिनिधि भगवान दास लोधी, घनश्याम लोधी, दयाशंकर पांडेय, रामप्रसाद, जगदीश, रामनयन, सुरेश और रमेश सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे। बांसी कोतवाल महेंद्र प्रताप चतुर्वेदी ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है। मौके पर डायल 112 की पुलिस गई थी। संबंधित लोगों को भी बुलाया गया है। गीता देवी पिछले कई वर्षों से गंभीर बीमारियों से परेशान हैं। उन्होंने बताया कि पथरी के लिए दो बार ऑपरेशन करा चुकी हैं, लेकिन अभी तक पूरी तरह राहत नहीं मिली है। किडनी में भी समस्या है और उनका इलाज गोरखपुर से चल रहा है। आग में इलाज से संबंधित मेडिकल रिपोर्ट और जरूरी कागजात भी जलकर राख हो गए। ऐसे में अब उन्हें इलाज के दस्तावेज दोबारा जुटाने की चिंता सता रही है। गीता देवी के परिवार में तीन बच्चे हैं। बड़ी बेटी सीमा (17), बेटा सुभाष (10) और छोटा बेटा राजकुमार (7) है। पति महेंद्र रोजी-रोटी के सिलसिले में बाहर रहते हैं, जबकि गीता देवी खुद दिहाड़ी मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करती हैं। उन्होंने बताया कि बड़ी बेटी की शादी के लिए धीरे-धीरे जेवर जुटा रही थीं। वर्षों की मेहनत से इकट्ठा किए गए जेवर भी आग में जल गए। गृहस्थी का सामान नष्ट होने और पहले से बीमारी से जूझने के कारण परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। बेटी की शादी के लिए संजोए सपने भी इस हादसे में बिखर गए।

ग्रामीणों का कहना है कि गीता देवी मेहनत-मजदूरी करके परिवार का पालन-पोषण करती हैं। ऐसे में आग से हुई क्षति की भरपाई करना उनके लिए बेहद मुश्किल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने, आवासीय नुकसान का आकलन कराने और परिवार को जरूरी राहत दिलाने की मांग की है, ताकि पीड़ित परिवार दोबारा अपनी जिंदगी संभाल सके।

मंडल रेल प्रबंधक द्वारा रेलकर्मियों के साथ मनाई मई धनतेरस

दीप प्रज्ज्वलित कर रेलकर्मियों को बांटी मिठाई, विभिन्न रेल प्रतिष्ठानों और बनारस स्टेशन पहुंचकर जाना कर्मचारियों का कुशलक्षेम

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह







वाराणसी। धनतेरस एवं दीपावली के पावन अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक वाराणसी आशीष जैन ने रेलकर्मियों के बीच पहुंचकर उनके साथ त्योहार की खुशियां साझा कीं। शुक्रवार, 6 नवंबर 2026 को उन्होंने विभिन्न रेल प्रतिष्ठानों एवं बनारस स्टेशन का भ्रमण कर वहां कार्यरत रेलकर्मियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर सुख-समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की तथा रेलकर्मियों को मिठाई वितरित कर दीपावली की शुभकामनाएं दीं। मंडल रेल प्रबंधक ने अपने भ्रमण के दौरान कोचिंग डिपो, ट्रैक डिपो, सिग्नल कार्यालय, टीआरडी कार्यालय, डीजल लॉबी तथा बनारस स्टेशन स्थित वीआईपी वातानुकूलित लाउंज में पहुंचकर महिला एवं पुरुष रेलकर्मियों से मुलाकात की। उन्होंने सभी का कुशलक्षेम जाना और उनके कार्यों की सराहना करते हुए त्योहार की खुशियों में सहभागिता की। अधिकारियों के साथ विभिन्न कार्यस्थलों पर पहुंचकर उन्होंने रेलकर्मियों का उत्साहवर्धन किया और उनके समर्पण के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन ने कहा कि भारतीय रेल के सुरक्षित एवं सुचारु संचालन तथा यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में प्रत्येक रेलकर्मी की भूमिका महत्वपूर्ण है। रेलकर्मियों की कर्तव्यनिष्ठा, मेहनत, समर्पण और सामूहिक प्रयासों से ही रेलवे की कार्यप्रणाली मजबूत एवं प्रभावी बनती है। उन्होंने कहा कि त्योहार केवल खुशियां मनाने का अवसर नहीं हैं, बल्कि एक-दूसरे के साथ जुड़ने, सहयोग और अपनत्व की भावना को मजबूत करने का भी माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि रेलकर्मी त्योहारों के दौरान भी अपनी जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करते हैं, ताकि यात्रियों को सुरक्षित एवं सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराई जा सके। ऐसे में उनके बीच पहुंचकर खुशियां साझा करना और उनके योगदान को सम्मान देना विशेष महत्व रखता है। उन्होंने सभी रेलकर्मियों एवं उनके परिवारजनों के लिए सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाल जीवन की मंगलकामना की। इससे पूर्व मंडल रेल प्रबंधक ने कोचिंग डिपो परिसर में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित परिवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधरोपण भी किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना और उनका संरक्षण करना बेहद आवश्यक है। पौधरोपण को केवल एक औपचारिक गतिविधि तक सीमित न रखते हुए जनअभियान का स्वरूप दिया जाना चाहिए। साथ ही लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संवर्धन पर भी विशेष ध्यान देना जरूरी है। कार्यक्रम के दौरान रेलकर्मियों में खासा उत्साह देखने को मिला। मंडल रेल प्रबंधक की इस पहल से कर्मचारियों में अपनत्व एवं सम्मान की भावना मजबूत हुई। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) विकास कुमार सिंह, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक प्रशस्ति श्रीवास्तव, वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर यशवीर सिंह, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (कर्षण) सौरभ राठौर, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सामान्य) कुंवर सिंह यादव, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक बालेन्द्र पाल, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (समाडि) अभिषेक राय, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (ईएनएचएम) अनुभव पाठक, मंडल विद्युत इंजीनियर (परिचालन) नितेश शुक्ला सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यालय में दीपावली स्नेह मिलन, चुनावी पर हुई चर्चा

गुलाबबाग महानगर कार्यालय में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मनाया दीपोत्सव

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह



वाराणसी। गुलाबबाग स्थित भारतीय जनता पार्टी के महानगर कार्यालय में दीपावली के अवसर पर दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास और उत्साह के साथ किया गया। महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर दीपावली की शुभकामनाएं दीं और आपसी सौहार्द एवं संगठनात्मक एकजुटता का संदेश दिया। दीपावली स्नेह मिलन के साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर संगठनात्मक स्तर पर भी विचार-विमर्श किया गया। महानगर अध्यक्ष ने पदाधिकारियों एवं विभिन्न मंडलों के अध्यक्षों के साथ बैठक कर चुनावी व्यवस्थाओं, क्षेत्रीय स्तर पर बेहतर समन्वय और संगठन की जिम्मेदारियों को लेकर चर्चा की। उन्होंने संगठन की गतिविधियों को प्रभावी बनाने, कार्यकताओं के बीच संवाद मजबूत करने तथा क्षेत्र में आपसी तालमेल के साथ कार्य करने पर जोर दिया। इस अवसर पर काशीवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि ने कहा कि धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा और अन्नकूट का पर्व भारतीय संस्कृति, परंपरा और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। उन्होंने भगवान धनवंतरी से सभी के उत्तम स्वास्थ्य और मां लक्ष्मी से प्रत्येक घर-आंगन में सुख-समृद्धि एवं खुशहाली बनाए रखने की कामना की। उन्होंने बाबा विश्वनाथ के आशीर्वाद से काशी सहित पूरे देश में सुख, शांति और समृद्धि की मंगलकामना की। महानगर अध्यक्ष ने नगरवासियों से अपील करते हुए कहा कि दीपावली के अवसर पर स्थानीय कारीगरों द्वारा तैयार किए गए स्वदेशी दीयों का अधिक से अधिक उपयोग करें। इससे स्थानीय कारीगरों और छोटे व्यापारियों को प्रोत्साहन मिलेगा तथा उनके परिवारों की आजीविका को भी मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि त्योहारों की वास्तविक खुशी तभी सार्थक होती है, जब हम अपनी खुशियों में दूसरों को भी शामिल करें और समाज के प्रत्येक वर्ग के साथ मिलकर उत्सव मनाएं। कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने एक-दूसरे को दीपावली की बधाई देते हुए संगठनात्मक एकता और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर महानगर उपाध्यक्ष चंद्रशेखर उपाध्याय, नवीन कपूर, महामंत्री पूजा दीक्षित, अजय गुप्ता, अशोक जाटव, मीडिया संयोजक प्रमील पाण्डेय, सत्येंद्र सिंह, अखिलेंद्र सिंह 'सन्नी', प्रज्ञा पाण्डेय, पंकज चतुर्वेदी, शोभनाथ मौर्या, राजेंद्र शंकर सिंह पटेल, कुशाग्र श्रीवास्तव, हीरा यादव, सुनील यादव, अनुराग शर्मा, प्रीति सिंह एवं मनोज सोनकर समेत बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बिजली के तार चोरी करने वाला शातिर चोर गिरफ्तार

यमुनापुरम में दो मकानों से चोरी किए थे विद्युत फिटिंग के तार



वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। कोतवाली देहात पुलिस ने निमार्णाधीन मकानों से बिजली फिटिंग के तार चोरी करने वाले एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए बिजली के तार के तीन बंडल और कटे हुए तार के टुकड़े बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान बिट्टू पुत्र संतोष निवासी ग्राम बझेड़ा कला, थाना कपूरपुर, जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। आरोपी ने 3 अक्टूबर 2026 को कोतवाली देहात क्षेत्र के यमुनापुरम स्थित दो निमार्णाधीन मकानों से बिजली फिटिंग के तार चोरी किए थे। इस मामले में थाना कोतवाली देहात पर मुकदमा संख्या 752/26 धारा 303(2) और 317(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने 6 नवंबर को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक सुदेश कुमार, उपनिरीक्षक विकास कुमार, अमित पटेरिया, हेड कांस्टेबल बिजेंद्र शर्मा, गौरव राणा, भूपेंद्र सिंह तथा कांस्टेबल विशाल सिवाच, मनीष कुमार और मोनू गौतम शामिल रहे।

धनतेरस पर अंसारी रोड बाजार में सजा दीपावली का भव्य मेला, डीएम-एसएसपी ने किया शुभारम्भ



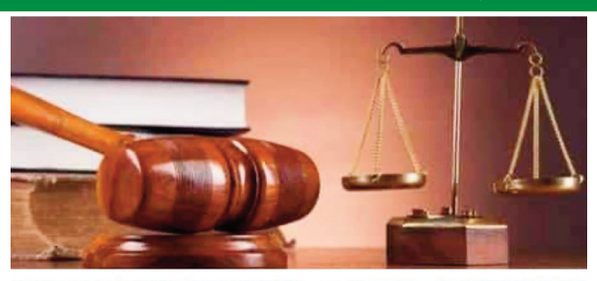


वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। धनतेरस पर्व के शुभ अवसर पर शुक्रवार को अंसारी रोड बाजार दीपावली की रोशनी से जगमगा उठा। अंसारी रोड व्यापारी सुरक्षा फोरम की ओर से बाजार में भव्य मेले का आयोजन किया गया। मेले का शुभारम्भ जिलाधिकारी कुमार हर्ष एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने व्यापारियों और जनपदवासियों को धनतेरस एवं दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मेले के आयोजन का उद्देश्य दीपावली पर्व के उल्लास को बढ़ाने के साथ ही बाजार में खरीदारी के लिए आने वाले नागरिकों को आकर्षित करना था। इसके लिए पूरे बाजार को आकर्षक विद्युत लाइटिंग एवं भव्य सजावट से सजाया गया था। शुभारम्भ के बाद जिलाधिकारी और एसएसपी ने पुलिस बल के साथ बाजार में पैदल गश्त की तथा सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों ने अंसारी रोड बाजार का भ्रमण कर व्यापारियों द्वारा की गई आकर्षक विद्युत सजावट और मेले की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। दोनों अधिकारियों ने बाजार की भव्य सजावट की सराहना करते हुए अंसारी रोड व्यापारी सुरक्षा फोरम के प्रयासों की प्रशंसा की। जिलाधिकारी एवं एसएसपी ने उपस्थित व्यापारी बंधुओं और स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उन्हें पर्व की बधाई दी। एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने कहा कि आगामी दीपावली पर्व के दृष्टिगत बाजारों में सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह प्रतिबद्ध है। आमजन को सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराना पुलिस की प्राथमिकता है। उन्होंने जनपदवासियों से धनतेरस एवं दीपावली का पर्व आपसी सौहार्द, शांति, भाईचारे और हर्षोल्लास के साथ मनाने की अपील की।

बोनस देने का झांसा देकर 11.72 लाख की साइबर ठगी, आरोपित को मिली जमानत

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह







वाराणसी। इंश्योरेंस पॉलिसी पर बोनस देने और अधिक आर्थिक लाभ दिलाने का झांसा देकर 11.72 लाख रुपये की साइबर धोखाधड़ी करने के मामले में आरोपित को अदालत से राहत मिल गई। जिला जज संजीव शुक्ला की अदालत ने मामले में आरोपित सिकंदराबाद, आगरा निवासी देवेश प्रताप सिंह उर्फ देवेश धाकरे की जमानत अर्जी मंजूर कर ली। अदालत ने उसे 50-50 हजार रुपये की दो जमानतें एवं बंधपत्र दाखिल करने पर रिहा करने का आदेश दिया। बचाव पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अनुज यादव एवं नरेश यादव ने अदालत में पक्ष रखा। अभियोजन पक्ष के अनुसार उमरहा, चौबेपुर निवासी श्यामलाल पाल ने 8 जुलाई 2026 को साइबर थाने में इस मामले की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। वादी का आरोप था कि उसने वर्ष 2021 में पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के माध्यम से पीएनबी मेटलाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी कराई थी। इसके बाद मार्च 2026 में उसने पॉलिसी के आधार पर ऋण भी लिया था। आरोप है कि करीब 12 अप्रैल 2026 को उसके मोबाइल पर 8700732678 नंबर से एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन किया। फोन करने वाले ने खुद को इंश्योरेंस से संबंधित जानकारी देने वाला बताते हुए उसकी पॉलिसी पर बोनस दिलाने और अधिक आर्थिक लाभ मिलने का झांसा दिया। उसकी बातों में आकर वादी ने अलग-अलग तारीखों में कई बार में कुल 11 लाख 72 हजार 190 रुपये जमा करा दिए। आरोप है कि ठगों ने वादी से अलग-अलग जनसेवा केंद्रों के माध्यम से नकद रकम विभिन्न बैंक खातों में जमा कराई। इसके बाद जिन खातों में पैसे जमा कराए गए थे, उनकी जानकारी से संबंधित संदेश भी बहला-फुसलाकर मोबाइल से डिलीट करवा दिए गए। इस तरह वादी को धोखे में रखकर साइबर ठगी की गई। घटना की जानकारी होने पर पीड़ित ने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर शिकायत दर्ज कराई। इसके आधार पर साइबर थाने की पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। विवेचना के दौरान आरोपित देवेश प्रताप सिंह उर्फ देवेश धाकरे का नाम प्रकाश में आया, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। मामले में आरोपित की ओर से दाखिल जमानत अर्जी पर सुनवाई के बाद जिला जज संजीव शुक्ला की अदालत ने निर्धारित शर्तों के साथ जमानत मंजूर करते हुए उसकी रिहाई का आदेश दिया।

हनी हत्याकांड का 25 हजार का इनामी बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार

शिकारपुर बाईपास पर पुलिस की घेराबंदी के दौरान बदमाश ने की फायरिंग, जवाबी कार्रवाई में पैर में लगी गोली

वेलकम इंडिया संवाददाता





बुलंदशहर। हनी हत्याकांड में लंबे समय से फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश को कोतवाली नगर पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार को शिकारपुर बाईपास पर चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने बिना नंबर प्लेट की बाइक पर सवार एक संदिग्ध को रुकने का इशारा किया, लेकिन वह पुलिस को देखकर बाइक मोड़कर भागने लगा। पुलिस टीम ने उसका पीछा किया तो खुद को घिरता देख बदमाश ने पुलिसकर्मियों पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की, जिसमें बदमाश के पैर में गोली लग गई। घायल अवस्था में उसे गिरफ्तार कर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान आदित्य उर्फ नोनू पुत्र राजकुमार निवासी देवीपुरा वाल्मीकि बस्ती, थाना कोतवाली नगर, बुलंदशहर के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 315 बोर का अवैध तमंचा, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस और बिना नंबर प्लेट की स्प्लेंडर बाइक बरामद की गई है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक 16/17 अक्टूबर 2026 की रात आदित्य उर्फ नोनू ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर हनी सिंह पर चाकू से हमला किया था। हमले में हनी सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। घटना के बाद मृतक के परिजनों की शिकायत पर थाना कोतवाली नगर में मुकदमा अपराध संख्या 1068/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। हत्याकांड के बाद से ही आदित्य उर्फ नोनू पुलिस की गिरफ्त से बचकर फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें लगातार दबिश दे रही थीं। फरार आरोपी पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलंदशहर की ओर से 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई थी। इस मामले में पुलिस पहले ही आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है, जबकि अब मुठभेड़ के बाद मुख्य रूप से फरार चल रहे इनामी आरोपी की गिरफ्तारी की गई है। मुठभेड़ एवं गिरफ्तारी की पूरी कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक सुजीत कुमार उपाध्याय के नेतृत्व में कोतवाली नगर पुलिस टीम ने की। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक देवा सिंह, कृष्ण कुमार गौतम, अशोक कुमार, अनिल कुमार, हेड कांस्टेबल आशीष, विनोद कुमार, गंगन सिंह, रूधन सिंह तथा कांस्टेबल सूरजीत धामा, संदीप और मनोज शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

जलालीपुरा में हाजी इकराम अंसारी बने सरदार

बाईसी के सरदार हाजी हाफिज मोइनुद्दीन ने साफा बांधकर की दस्तारबंदी

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह



वाराणसी। मोहल्ला जलालीपुरा में बुनकर बिरादराना तंजीम बाईसी के अंतर्गत सरदार एवं महतो के रिक्त पदों पर नई नियुक्ति के लिए दस्तारबंदी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान मोहल्ले के नवनिर्वाचित सरदार हाजी मोहम्मद इकराम अंसारी और महतो इकबाल अहमद अंसारी की विधिवत दस्तारबंदी कर उन्हें नई जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बुनकर बिरादराना तंजीम बाईसी के सरदार हाजी हाफिज मोइनुद्दीन ने अपनी पूरी काबीना की मौजूदगी में दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को साफा बांधकर जिम्मेदारी सौंपी। उल्लेखनीय है कि मोहल्ले की आवाम ने सर्वसम्मति से हाजी मोहम्मद इकराम अंसारी को सरदार तथा इकबाल अहमद अंसारी को महतो चुना था। दस्तारबंदी के दौरान दोनों को समाज की एकता, आपसी भाईचारे और सामाजिक जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा के साथ निभाने का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को मुबारकबाद देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मौलाना जाहिद ने कहा कि सरदार और महतो का पद केवल सम्मान और प्रतिष्ठा का विषय नहीं है, बल्कि यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। यह कांटों भरा ताज है, जिसे ईमानदारी, निष्पक्षता और इंसाफ के साथ निभाना होता है। इन पदों पर बैठे लोगों का दायित्व है कि वे समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलें और बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक व्यक्ति के साथ न्याय करें। समाज में आपसी भाईचारा बनाए रखना और विवादों का निष्पक्ष समाधान करना उनकी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक तरक्की का रास्ता तालीम से होकर गुजरता है। बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। अभिभावकों को चाहिए कि वे अपनी अन्य जरूरतों में कटौती कर लें, लेकिन बच्चों की पढ़ाई के साथ किसी प्रकार का समझौता न करें।

डीपीएस मोदीनगर को सीबीएसई से कक्षा 12 तक संबद्धता प्राप्त होने पर भव्य समारोह का आयोजन

दीपावली मिलन एवं अभिनंदन समारोह में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, मीडिया प्रतिनिधियों एवं पीटीए सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति

अनिल वशिष्ठ



मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। दिल्ली पब्लिक स्कूल मोदीनगर के लिए यह अवसर अत्यंत हर्ष, उत्साह एवं गौरव का रहा, जब विद्यालय को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से कक्षा 12 तक की संबद्धता प्राप्त होने की महत्वपूर्ण उपलब्धि के उपलक्ष्य में विद्यालय परिसर में एक भव्य दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने अपनी इस उपलब्धि की खुशियाँ क्षेत्र के गणमान्य अतिथियों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, मीडिया प्रतिनिधियों एवं पीटीए कार्यकारिणी के सदस्यों के साथ साझा की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रजत कुमार (तहसीलदार मोदीनगर), दीपक राणा (चेयरमैन गन्ना समिति) डॉ. विक्रम गांधी (सचिव डीएमईटी), श्रीमति अनीशा गांधी (प्रो-वाइस चेयरपर्सन डीपीएस मोदीनगर) और उनके सुपुत्र जयवीर गांधी एवं सुपुत्री अर्शिया गांधी भी समारोह में उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त नगर के प्रतिष्ठित मीडिया प्रतिनिधियों तथा विद्यालय की पीटीए कार्यकारिणी के सदस्यों ने भी समारोह में सहभागिता की। सीबीएसई से कक्षा 12 तक की संबद्धता प्राप्त होना डीपीएस मोदीनगर की शैक्षणिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि एवं नया अध्याय है।

यह विद्यालय प्रबंधन, प्रधानाचार्या, शिक्षकों तथा समस्त कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों, अथक परिश्रम, समर्पण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतिफल है। डॉ. विक्रम गांधी ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि डीपीएस मोदीनगर को सीबीएसई से कक्षा 12 तक संबद्धता प्राप्त होना संस्थान की शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विद्यालय के लिए एक नई शुरूआत है और संस्थान भविष्य में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक शिक्षण पद्धतियों एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। श्रीमति अनीशा गांधी ने विद्यालय की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल अकादमिक रूप से सक्षम बनाना ही नहीं, बल्कि उन्हें संस्कारवान, आत्मविश्वासी एवं जिम्मेदार नागरिक बनाना भी है। उन्होंने विद्यालय परिवार, शिक्षकों एवं अभिभावकों के योगदान की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि डीपीएस मोदीनगर भविष्य में शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगा। इस गौरवपूर्ण अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. ज्योति सिरोही एवं हेडमास्टर अंकित गालयान ने सभी सम्मानित अतिथियों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, मीडिया प्रतिनिधियों एवं पीटीए कार्यकारिणी के सदस्यों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय की इस उपलब्धि के पीछे प्रबंधन का दूरदर्शी मार्गदर्शन, शिक्षकों की निष्ठा, कर्मचारियों का समर्पण तथा अभिभावकों का निरंतर विश्वास एवं सहयोग महत्वपूर्ण रहा है। सभी अतिथियों ने विद्यालय की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए समस्त विद्यालय परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। दीपावली के पावन पर्व की खुशियों के साथ यह आयोजन आपसी सद्भाव, सहयोग एवं नई उपलब्धियों के संकल्प का यादगार अवसर बन गया।

ट्रिनिटी इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में दीपावली महोत्सव का भव्य आयोजन



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। ट्रिनिटी इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में दीपावली का पर्व हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में विभिन्न सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने रंगोली, दीप सज्जा, कार्ड निर्माण एवं अन्य कलात्मक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को दीपावली के धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक महत्त्व से अवगत कराया गया। साथ ही उन्हें स्वच्छता बनाए रखने, पर्यावरण संरक्षण तथा सुरक्षित एवं प्रदूषणमुक्त दीपावली मनाने का संदेश दिया गया।

विद्यालय प्रबंधन ऋतु गोयल, शिखा गोयल एवं नैना रस्तोगी ने सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को दीपावली की शुभकामनाएँ दीं तथा प्रेम, सद्भाव, एकता और खुशियों के साथ त्योहार मनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन हर्षोल्लास एवं मंगलकामनाओं के साथ हुआ।

मुल्तानीमल मोदी महाविद्यालय में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

अनिल वशिष्ठ



मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मुल्तानीमल मोदी महाविद्यालय के महिला प्रकोष्ठ के तत्वाधान में दीपावली के उपलक्ष पर रंगोली पोस्टर और बंदनवार प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या प्रोफेसर वंदना शर्मा के दीप प्रज्वलन से हुआ। कार्यक्रम का विषय मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का जीवन चरित्र और उनके जीवन से नवीन पीढ़ी को मिलने वाली प्रेरणा था। प्रतिभागियों ने असत्य पर सत्यकी विजय श्री रामचंद्र जी का राजतिलक रावण दहन भगवान राम का प्रकृति प्रेम आदि विषयों पर अपने मनोभावों को चित्रों में अंकित किया। निर्णायक मंडल में प्रोफेसर विवेकशील प्रोफेसर दीपशिखा प्रोफेसर सुनीता सिरोही रही। महिला प्रकोष्ठ के सभी सदस्यों डॉक्टर प्राची अग्रवाल डॉक्टर पूनम चौधरी डॉक्टर सुजाता डॉक्टर पूजा त्यागी डॉक्टर पूनम कुमारी डॉ मोना नागपाल डॉक्टर शिवांगी त्रिवेदी सभी ने अपना योगदान दिया। महाविद्यालय की सभी शिक्षक इस उत्सव पर उपस्थित रहे। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर वंदना शर्मा ने बच्चों को अपने आशीर्वचन दिए। दीपावली की शुभकामनाओं के साथ इस प्रतियोगिता का समापन हुआ। इससे एक दिन पूर्व महिला प्रकोष्ठ के तत्वाधान एक निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। निर्णायक मंडल में प्रोफेसर विवेकशील प्रोफेसर मयंक मोहन अग्रवाल प्रोफेसर दीपशिखा प्रोफेसर सुनीता सिरोही रहे। सभी प्रतियोगिता के प्रतिभागियों में से विजेताओं को महिला प्रकोष्ठ की और से व राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा मेडल एवम्-सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम में डॉ अमर सिंह कश्यप, डॉ आशुतोष उपाध्याय, डॉ ममता गुप्ता, डॉ सुनीता सिरोही सहित सभी सम्मानित प्राध्यापकों ने भी उपस्थित रही। अंत में कार्यक्रम संयोजिका डॉ प्राची अग्रवाल ने सभी को कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

कश्यप उत्थान सेवा समिति ने मनाया दिवाली मिलन समारोह



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कश्यप उत्थान सेवा समिति के कार्यालय नवयुग मार्केट पर दीपावली मिलन समारोह मनाया गया। जिसमें कश्यप उत्थान सेवा समिति के पदाधिकारी ने अपने साथियों के साथ भाग लिया। सभी पदाधिकारी का पटका पहनाकर समिति के अध्यक्ष पंकज कश्यप माहेश्वरी ने स्वागत किया व सभी को मिष्ठान भेंट की। इस अवसर पर समिति के संयोजक विपत राम कश्यप सुखबीर कश्यप समिति के प्रदेश अध्यक्ष सुभाष कश्यप व अन्य वक्ताओं ने अपने विचार रखे। सभी को दीपावली एवं अन्य त्योहारों की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मुख्य रूप से समिति के इन पदाधिकारी ने भाग लिया संरक्षक सुखबीर कश्यप विपत राम कश्यप सतीश कश्यप पंकज कश्यप माहेश्वरी अध्यक्ष मोहित कश्यप उपाध्यक्ष अशोक कश्यप सचिव जयवीर कश्यप कोषाध्यक्ष सुरेंद्र कश्यप जिला अध्यक्ष सुभाष कश्यप प्रदेश अध्यक्ष अमर कश्यप जिला उपाध्यक्ष अनिल कश्यप की कार्यकारिणी सदस्य मांगेराम कश्यप कार्यकारिणी अनिल कश्यप एडवोकेट कानूनी सलाहकार अतुल कश्यप जी मीडिया प्रभारी अमरपाल कश्यप मीडिया प्रभारी दिनेश कश्यप सह सचिव व अन्य साथियों ने भाग लिया।

अनुज गोयल कॉलेज ऑफ लॉ, भोजपुर में दीपावली महोत्सव-2026 का आयोजन

अनिल वशिष्ठ



मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। अनुज गोयल कॉलेज ऑफ लॉ, भोजपुर, मोदीनगर, गाजियाबाद में दीपावली महोत्सव-2026 का आयोजन हुआ। इसमे विधि विभाग के छात्र व छात्राओ ने भाग लिया इसमें विभिन्न प्रकार के स्टाल लगाए जिसमें गोल गप्पे, चाट भण्डार, मिठाई, भेलपूरी, टिक्की, शिंकजी, फ्रूट चाट ढोकला आदि के स्टाल लगाये। सभी छात्रो के खाद्य पदार्थ उत्तम गुणवत्ता के थे। सभी छात्रो, शिक्षको व शिक्षणेत्तर कर्मचारियो ने इसमें प्रतिभाग किया।

उमंग उत्साह व खुशी के साथ यह दीपावली महोत्सव मनाया गया। दीपावली महोत्सव का शुभारम्भ मुख्य संरक्षिका माता जी श्रीमती माया गोयल जी के द्वारा दीप प्रज्वलन करके किया। छात्रो की प्रस्तुतियो में गीत संगीत व नृत्य के साथ किया गया। दीपावली महोत्सव में कॉलेज के अध्यक्ष शिक्षाविद व सीए० काउन्सिल मेम्बर सीए०(डा०) अनुज गोयल जी, सीए० मुकुल सिंघल, सीए० मनीश अग्रवाल, सीए० नितिन गुप्ता, सीए जे के जैन, सीए० वासु गर्ग, मूटकार्ट अध्यक्ष एडवोकेट डा० जुगेश असपाल व अन्य गणमान्य व्यक्ति भी शामिल हुए। कॉलेज की डायरेक्टर डा० पूनम गोयल ने कहा कि ऐसे आयोजनो से छात्रो के बीच नैतिक मूल्यो, सामुहिक भावना व एक साथ साझेदारी से काम करने की भावना बढती है। सीए०(डा०) अनुज गोयल जी ने कहा कि दीपावली महोत्सव ने कॉलेज में खुशी और उत्सव का महौल बनाया है। इस मेले में प्रतिभाग करने वाले सभी छात्रो को स्मृति चिह्न प्रदान कर दीपावली की अनन्त शुभकामनाएं व आशीर्वाद प्रदान किया। दीपावली महोत्सव की आयोजिका श्रीमती आरती अग्रवाल ने सभी शिक्षको - सुश्री ज्योति वर्मा, प्रेमा आर्य, स्मृति वशिष्ठ, शालिनी गुप्ता, पूजा, शिवांगी, अंशु व सभी प्रतिभागी को दीपावली की अनन्त शुभकामनाएं व धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय के स्वयंसेवक अंकित प्री आरडीसी कैंप 2027 में प्रतिभाग करेंगे

अनिल वशिष्ठ



मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर के लिए यह अत्यंत हर्ष एवं गौरव का विषय है कि महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के स्वयंसेवक अंकित का चयन पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर (Pre-RD Camp) 2027 के लिए किया गया है। अंकित वर्तमान में महाविद्यालय के इतिहास विभाग में स्नातकोत्तर (एम.ए. इतिहास) के छात्र हैं। उनकी इस उपलब्धि से महाविद्यालय परिवार एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों में हर्ष का वातावरण है।इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर वंदना शर्मा ने अंकित को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर की गतिविधियों में विद्यार्थियों की सहभागिता न केवल उनके व्यक्तित्व का विकास करती है, बल्कि महाविद्यालय एवं क्षेत्र का गौरव भी बढ़ाती है।कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कोमल गुप्ता, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रविन्द्र कुमार ने अंकित को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह चयन उनकी मेहनत, लगन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रति समर्पण का परिणाम है। अंत में महाविद्यालय परिवार एवं राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से अंकित को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शिविर में सफल सहभागिता के लिए अनंत शुभकामनाएँ प्रेषित की गईं।

केडीबी स्कूल के दीपावली मेले 'सांझ' में उमड़ा उत्साह, स्वाद और मस्ती के रंगों से सजी शाम

वेलकम इंडिया संवाददाता





गाजियाबाद। दीपावली के उल्लास, स्वादिष्ट व्यंजनों की खुशबू और रंग-बिरंगी रोशनी के बीच केडीबी पब्लिक स्कूल में गुरुवार को भव्य दीपावली मेले 'सांझ' का आयोजन किया गया। उत्साह और उमंग से सराबोर इस मेले में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता, प्रतिभा और प्रबंधन कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। मेले में कक्षा आठवीं से बारहवीं तक के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। 'सांस भी, स्वाद भी और उत्सव भीइ विषय पर आधारित इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामूहिक सहभागिता, सहयोग, रचनात्मकता और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देना रहा।

विद्यालय परिसर को आकर्षक रंग-बिरंगी रोशनी और सजावटी वस्तुओं से सजाया गया था। मेले का शुभारंभ मुख्य अतिथि वंदना बजाज ने किया। उन्होंने विभिन्न फूड स्टॉल का भ्रमण कर विद्यार्थियों की ओर से तैयार किए गए व्यंजनों का आनंद लिया। इसके साथ ही उन्होंने मनोरंजक खेलों में भी रुचि दिखाई। मेले में चारों ओर स्वादिष्ट पकवानों की खुशबू और विद्यार्थियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने विभिन्न व्यंजनों का स्वाद लेकर आयोजन की रौनक बढ़ाई। मेले में खानपान के साथ मनोरंजन के लिए विभिन्न प्रकार के खेलों की भी व्यवस्था की गई थी। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ खेलों में भाग लिया और अपनी प्रतिभा एवं कौशल का प्रदर्शन किया। विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार भी प्रदान किए गए। हर गतिविधि में उत्साह, प्रतिस्पर्धा और आपसी सहयोग का अनूठा संगम देखने को मिला। विद्यार्थियों के लिए यह आयोजन पढ़ाई के नियमित माहौल से अलग अपनी प्रतिभा दिखाने और नए अनुभव प्राप्त करने का अवसर बना। वहीं, डीजे की जोशीली धुनों और मधुर संगीत ने मेले के उत्साह को दोगुना कर दिया।

एमएलसी दिनेश कुमार गोयल की जीत की खुशी में आरकेजीआईटी में दीपावली उत्सव मनाया



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) दिनेश कुमार गोयल अपनी जीत की खुशी में अपने प्रतिष्ठान आरकेजीआईटी (RKGIT) में दीपावली का उत्सव हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया।इस अवसर पर दीप प्रज्वलित कर खुशियां साझा की। इस कार्यक्रम में उनकी धर्मपत्नी रजनी गोयल, पुत्र अक्षत गोयल, पुत्रवधू आँचल गोयल और सभी फैकल्टी, स्टाफ ,सहयोगियों की उपस्थिति रही। दिनेश कुमार गोयल ने अपनी इस जीत को सभी कार्यकताओं, समर्थकों एवं क्षेत्रवासियों के विश्वास, सहयोग और आशीर्वाद की जीत बताया। उन्होंने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत जनसेवा के प्रति उनकी जिम्मेदारी को और मजबूत करती है। इस अवसर पर सभी के साथ दीपावली की खुशियां साझा की तथा आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया।

त्योहारों पर सुरक्षा से खिलवाड़ नहीं, सड़कों पर उतरे डीसीपी, बाजारों में किया सुरक्षा का सख्त पहरा

वेलकम इंडिया संवाददाता



गाजियाबाद। त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था बिगाड़ने और लोगों की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों के खिलाफ पुलिस पूरी तरह सतर्क है। बाजारों में भीड़ का फायदा उठाकर किसी तरह की अप्रिय घटना को अंजाम देने वालों पर नजर रखने के लिए पुलिस अधिकारियों ने सड़कों पर उतरकर सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाल ली है। इसी क्रम में शुक्रवार को पुलिस उपायुक्त ट्रांस हिंडन ऋजुल ने इंदिरापुरम और कौशांबी थाना क्षेत्रों में पुलिस बल के साथ पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उनकी इस कार्रवाई से बाजारों में पुलिस की सक्रियता दिखाई दी और आम लोगों को सुरक्षा का भरोसा मिला। डीसीपी ऋजुल ने सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम, थाना प्रभारी इंदिरापुरम और पुलिस बल के साथ बाजारों, भीड़भाड़ वाले इलाकों तथा संवेदनशील स्थानों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया और पुलिसकर्मियों को सतर्कता के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के प्रति किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बाजारों में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के साथ पुलिस की नियमित गश्त भी सुनिश्चित की जाए। पैदल गश्त के दौरान डीसीपी ने स्थानीय नागरिकों, दुकानदारों और व्यापारियों से सीधे संवाद किया। उन्होंने बाजारों में सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं और आवश्यकताओं के बारे में जानकारी ली। साथ ही लोगों को भरोसा दिलाया कि त्योहारों के दौरान उनकी सुरक्षा पुलिस की प्राथमिकता है। उन्होंने व्यापारियों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, असामाजिक गतिविधि अथवा आपराधिक घटना की आशंका होने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें। पुलिस और जनता के बीच बेहतर तालमेल से ही सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाया जा सकता है। डीसीपी ऋजुल ने पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया कि बाजारों और संवेदनशील स्थानों पर लगातार निगरानी रखी जाए।

ज्ञान और खुशियों के दीपों से जगमगाया ठाकुरद्वारा बालिका विद्यालय, गणेश जी की रंगोली रही आकर्षण का केंद्र

वेलकम इंडिया संवाददाता





गाजियाबाद। श्री ठाकुरद्वारा बालिका विद्यालय में शुक्रवार को प्रकाश का पर्व दीपावली हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पूरे विद्यालय परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया। छात्राओं ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए वाल हैंगिंग, बंदनवार और सुंदर दीपकों सहित विभिन्न सजावटी वस्तुओं से विद्यालय को दीपावली के रंग में रंग दिया। परिसर में बनाई गई विघ्नहर्ता भगवान गणेश की आकर्षक रंगोली कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रही। रंग-बिरंगी सजावट और दीपों की रोशनी से विद्यालय का वातावरण उत्सवमय हो गया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर दीपावली पर्व की खुशियां साझा कीं। गीत, नृत्य और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से छात्राओं ने प्रकाश पर्व के महत्व को दर्शाया। उनकी प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों और शिक्षिकाओं का मन मोह लिया। इस शुभ अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष एवं सदस्य विधान परिषद (एमएलसी) दिनेश कुमार गोयल ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उन्होंने विद्यालय परिवार को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने को 10 नवंबर तक चलेगा विशेष अभियान, घर-घर होगा सत्यापन

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जिले में कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे, इसके लिए जिला प्रशासन विशेष अभियान चलाएगा। जिलाधिकारी के निर्देश पर घर-घर और कार्यस्थलों पर मतदाता सूची में नामों का सत्यापन कराया जाएगा। अभियान के तहत कोटेदार राशन कार्ड से जुड़े परिवारों, उद्यमी फैक्ट्रियों में कार्यरत कर्मचारियों, जबकि आरडब्ल्यूए पदाधिकारी सोसाइटी में रहने वाले मकान मालिकों, किरायेदारों और घरेलू सहायकों के परिवारों के पात्र सदस्यों के नाम जांचेंगे।

- 18 वर्ष से अधिक आयु के पात्र नागरिकों के नाम जांचेंगे कोटेदार, आरडब्ल्यूए, उद्यमी और आशा कार्यकर्ता; स्कूल-कॉलेजों को 15 नवंबर तक का समय

आशा और एएनएम कार्यकर्ता घर-घर जाकर महिलाओं के नामों का सत्यापन करेंगी। स्कूल-कॉलेज विद्यार्थियों के माध्यम से उनके



परिवारों के पात्र सदस्यों के नाम चेक कराएंगे। स्कूल-कॉलेजों को 15 नवंबर तक और अन्य सभी माध्यमों को 10 नवंबर तक कार्रवाई पूरी करनी होगी। नागरिक ECINET ऐप या निर्वाचन आयोग की वेबसाइट electoralsearch.eci.gov.in पर अपना नाम जांच सकते हैं। नाम दर्ज नहीं होने पर फॉर्म-6 और दूसरे जनपद से गाजियाबाद में नाम स्थानांतरित कराने के लिए फॉर्म-8 भरना होगा।

दोनों फॉर्म की हार्ड कॉपी भी जमा करनी होगी। पहले आवेदन कर चुके लोगों को दोबारा फॉर्म नहीं भरना होगा, उन्हें आवेदन की पावती या रेफरेंस नंबर देना होगा। प्रशासन ने नागरिकों से परिवार के सभी पात्र सदस्यों के नाम मतदाता सूची में जांचने की अपील की है।

दमकल टीम ने तीन झुग्गियों को जलने से बचाने की कोशिश में पाया आग पर काबू

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। इंदिरापुरम के न्यायखंड-3 में गुरुवार रात झुग्गियों में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग ने देखते ही देखते तीन झुग्गियों और उनमें रखे घरेलू सामान को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही वैशाली अग्निशमन केंद्र की टीम सक्रिय हो गई। त्योहारों के चलते बाजारों में लगे भीषण जाम ने दमकल वाहनों के सामने चुनौती खड़ी कर दी, लेकिन सीएफओ सौरभ सिंह के निर्देशन में टीम ने तत्काल वैकल्पिक इंतजाम करते हुए अतिरिक्त त्वरित प्रतिक्रिया वाहन रवाना कराया। दमकलकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर तेजी से मोर्चा संभाला और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। राहत की बात रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

खोड़ा में चोरी की वारदात का खुलासा, 19 वर्षीय शातिर चोर गिरफ्तार

घर से तीन लाख रुपये और दस्तावेजों से भरा संदूक चोरी करने वाले आरोपी से 1.99 लाख रुपये नकद बरामद, दूसरा आरोपी फरार

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। खोड़ा थाना पुलिस ने चोरी की घटना का खुलासा करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान बदायूं निवासी प्रियांशू उर्फ कृष्णा उर्फ क्रिश (19) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे और निशानदेही पर चोरी के 1,99,100 रुपये नकद, दो पैन कार्ड, दो आधार कार्ड, चार बैंक पासबुक और एक संदूक बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, दीपक



विहार निवासी सलाउद्दीन ने शिकायत दी थी कि 3 नवंबर को उनके घर से अज्ञात चोर तीन लाख रुपये और जरूरी कागजात से भरा संदूक चोरी कर ले गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस और मैनुअल इनपुट की मदद से 6 नवंबर को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपने साथी हर्ष साहू के साथ चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी ने बताया कि बाकी रकम हर्ष के पास है। पुलिस दूसरे आरोपी की तलाश में जुटी है। मामले में बीएनएस की धारा 317(2) भी बढ़ाई गई है।

कनावनी में 72 हेक्टेयर में विकसित होगी इंदिरापुरम विस्तार योजना

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कनावनी में प्रस्तावित इंदिरापुरम विस्तार योजना को धरातल पर उतारने के लिए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने तैयारियां तेज कर दी हैं। करीब 72 हेक्टेयर जमीन पर विकसित होने वाली इस योजना का लेआउट प्लान पास हो चुका है। अब प्राधिकरण इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, पहले चरण में 25 हेक्टेयर खाली जमीन पर विकास कार्य कराए जाएंगे। डीपीआर करीब एक सप्ताह में तैयार होने की उम्मीद है, जबकि लगभग दो महीने में मौके पर काम शुरू हो जाएगा। पहले चरण में जीडीए सड़क, भूखंड और अन्य मूलभूत सुविधाओं का विकास कराएगा। योजना में आवासीय और व्यावसायिक भूखंडों के साथ ग्रुप हाउसिंग के लिए भी जमीन विकसित की जाएगी। दूसरे चरण में शेष जमीन पर योजना का विस्तार होगा। इसके तहत 10 से 12 ग्रुप हाउसिंग परियोजनाओं के लिए भूखंड तैयार किए जाएंगे। साथ ही मध्यमवर्गीय परिवारों को ध्यान में रखते हुए एलआईजी और ईडब्ल्यूएस श्रेणी के फ्लैट भी बनाए जाएंगे। लेआउट प्लान में अलग-अलग आकार के भूखंड प्रस्तावित किए गए हैं। इनमें 300 वर्ग मीटर से लेकर 578 वर्ग मीटर तक के भूखंड शामिल हैं।

विद्यार्थियों के जरिए घर-घर पहुंचेगा मतदाता जागरूकता का संदेश, परिवार के हर पात्र सदस्य का बनेगा वोट





कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। विशेष संक्षिप्त मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत शुक्रवार को लोनी इंटर कॉलेज में युवा मतदाताओं को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) लोनी दीपक सिंघनवाल ने विद्यार्थियों को निर्वाचन प्रक्रिया, मतदाता पहचान पत्र और मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने माता-पिता और परिवार के सभी पात्र सदस्यों के नाम मतदाता सूची में जांचने की अपील की। जिनका नाम सूची में दर्ज नहीं है, उनका निर्धारित प्रक्रिया से पंजीकरण कराने को कहा। अभियान के तहत विद्यार्थियों को एक पृष्ठ का प्रारूप दिया गया, जिसे अभिभावक भरकर परिवार के पात्र मतदाताओं की जानकारी देंगे। इसमें पहले से पंजीकृत सदस्यों के ईपीआईसी नंबर भी दर्ज किए जाएंगे। नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए कॉलेज को पर्याप्त संख्या में फार्म-6 उपलब्ध कराए गए हैं।

मोबाइल अपडेट होते ही गायब हुए एप, दो बैंक खातों से 3.05 लाख रुपये साफ

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कौशांबी थाना क्षेत्र में साइबर ठगों ने मोबाइल अपडेट होने के बाद एक व्यक्ति के दो बैंक खातों से 3.05 लाख रुपये निकाल लिए। पीड़ित को इसकी जानकारी तब हुई, जब मोबाइल में गायब हुए एप दोबारा डाउनलोड कर उसने अपने बैंक खातों की जांच की। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। साइबर सेल की मदद से मामले की जांच की जा रही है। भोवापुर निवासी दीपक मदेशिया ने पुलिस को बताया कि 17 अक्टूबर को उनका मोबाइल अपडेट हुआ था। अपडेट होने के बाद मोबाइल में मौजूद सभी एप गायब हो गए। उन्होंने दोबारा फोन पे एप डाउनलोड किया और मोबाइल नंबर डालकर खाते की जानकारी चेक की। इस दौरान पता चला कि 17 अक्टूबर को पंजाब एंड सिंध बैंक के खाते से 96,801 रुपये और 18 अक्टूबर को 14 हजार रुपये निकाल लिए गए। इसके अलावा इंडियन बैंक के खाते से भी दो बार में रकम निकाली गई। ठगों ने 17 अक्टूबर को 96,502 रुपये और 18 अक्टूबर को 98,050 रुपये निकाल लिए। इस तरह दोनों बैंक खातों से कुल 3,05,353 रुपये की निकासी हुई। खाते से रकम निकलने की जानकारी मिलने पर पीड़ित ने साइबर ठगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। एसीपी इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

हाईकोर्ट से झटका, इंदिरापुरम विस्तार योजना पर संकट के बादल

कनावनी भूमि अधिग्रहण की समय-सीमा बढ़ाने की प्राधिकरण की अपील खारिज, 85वें दिन भी किसानों का धरना जारी

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। ग्राम कनावनी में इंदिरापुरम विस्तार योजना के लिए भूमि अधिग्रहण को लेकर चल रहे विवाद में किसानों को बड़ी राहत मिली है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 5 नवंबर को भूमि अधिग्रहण का अवार्ड घोषित करने की समय-सीमा बढ़ाने संबंधी प्राधिकरण की अपील खारिज कर दी। किसानों का दावा है कि न्यायालय के फैसले के बाद कनावनी की संबंधित भूमि का अधिग्रहण समाप्त हो गया है और अब प्राधिकरण को आदेश का पालन करना होगा।

शुक्रवार को किसानों का अनिश्चितकालीन धरना लगातार 85वें



दिन भी जारी रहा। किसान कैलाश नागर और लखीराम शर्मा ने कहा कि यह फैसला उनके लंबे संघर्ष में महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने प्राधिकरण से राजस्व अभिलेखों में किसानों के नाम बहाल करने और जमीन से जुड़े विवाद का समाधान करने की मांग की।

किसानों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी जमीन और राजस्व अभिलेखों से जुड़ी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं होता, आंदोलन जारी रहेगा। धरने में चतर सिंह नागर, भगवत नागर, कबूल सिंह नागर, विनोद नागर, बाबू नागर, धर्म सिंह, धनेश्वर शर्मा, परवीन नागर और अशोक कसाना समेत अनेक किसान मौजूद रहे।

घर-घर पहुंचकर मतदाता सूची की खामियां दूर करेंगे कर्मचारी, पात्रों के जुड़ेंगे नाम



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मतदाता सूची को शुद्ध, पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने के लिए जिले में घर-घर मतदाता जागरूकता एवं नाम पंजीकरण अभियान चलाया जा रहा है। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ के निर्देशन में संचालित इस अभियान के तहत ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) लोनी दीपक सिंघनवाल ने संबंधित कार्मिकों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभियान के दौरान प्रत्येक घर तक पहुंचकर परिवार के सभी पात्र सदस्यों के मतदाता सूची में नाम दर्ज होने की जानकारी जुटाई जाए। दीपक सिंघनवाल ने निर्देश दिए कि जिन पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं हैं, उन्हें पंजीकरण के लिए प्रेरित किया जाए। साथ ही नाम, पता अथवा अन्य विवरण में किसी प्रकार की त्रुटि मिलने पर निर्धारित प्रक्रिया के तहत संशोधन कराया जाए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्यों को पूरी जिम्मेदारी और गंभीरता के साथ संपन्न किया जाए, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे।

ट्रांस हिंडन पुलिस ने बरामद किए 321 मोबाइल, 75 लाख रुपये के फोन मालिकों को लौटाए

देश के विभिन्न राज्यों से खोजकर लाए गए मोबाइल, सात थानों की पुलिस और साइबर-सर्विलांस टीम को मिली बड़ी सफलता





कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। ट्रांस हिंडन जोन पुलिस ने मोबाइल चोरी, लूट और गुम होने की शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। जोन के सभी थानों और साइबर-सर्विलांस टीम ने संयुक्त अभियान चलाकर विभिन्न कंपनियों के 321 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद मोबाइल की अनुमानित कीमत करीब 70 से 75 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने मोबाइल फोन के वास्तविक स्वामियों की पहचान कर उन्हें उनके फोन सुपुर्द कर दिए।

पुलिस ने CEIR (सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर) पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के आधार पर सर्विलांस और मैनुअल इनपुट की मदद ली। तकनीकी साक्ष्यों का गहन विश्लेषण कर हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, बिहार, झारखंड और दिल्ली-एनसीआर समेत विभिन्न राज्यों से मोबाइल बरामद किए गए।

थानावार बरामदगी में कौशांबी से 66, इंदिरापुरम से 62, साहिबाबाद से 61, खोड़ा से 37, लिंक रोड से 32, शालीमार गार्डन से 32 और टीला मोड़ से 31 मोबाइल फोन बरामद हुए। पुलिस की इस कार्रवाई से मोबाइल खोने वाले लोगों के चेहरे पर खुशी लौट आई।

DCP ने खुद खरीदे रंग, पुलिसकर्मियों से भी जरूरतमंद दुकानदारों की मदद की अपील



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। त्योहारों के अवसर पर पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था के बीच मानवीय संवेदनशीलता की मिसाल भी देखने को मिली। पैदल गश्त के दौरान डीसीपी ट्रांस हिंडन ऋजुल की नजर सड़क किनारे रंगोली के रंग बेच रही रानी पर पड़ी, जो उदास बैठी थी। डीसीपी ने रुककर उसकी उदासी का कारण पूछा तो महिला ने बताया कि सुबह से अब तक केवल 200 रुपये के रंग ही बिके हैं। उसकी परेशानी सुनकर डीसीपी ने 500 रुपये के रंग खरीद लिए। अचानक हुई इस मदद से रानी के चेहरे पर मुस्कान लौट आई। डीसीपी ने इस दौरान पुलिसकर्मियों से भी अपील की कि त्योहारों पर सड़क किनारे दुकान लगाने वाले जरूरतमंद लोगों से सामान खरीदकर उनका उत्साह बढ़ाएं। इस पहल से पुलिस का मानवीय और संवेदनशील चेहरा सामने आया।

मां भगवती के जयकारों से गूंजा गाजियाबाद, जागरण में उमड़ा आस्था का सैलाब, भजनों पर देर रात तक झूमे श्रद्धालु





वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मां भगवती के जयकारों, भक्ति गीतों और धार्मिक झांकियों के बीच महामाई जनकल्याण सेवा समिति की ओर से आयोजित 11वां भव्य मां भगवती जागरण एवं विशाल भंडारा धूमधाम और भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। पांच नवंबर को आयोजित इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर माता रानी के चरणों में शीश नवाया और आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में करीब चार हजार श्रद्धालुओं ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संयुक्त आयुक्त उद्योग, सहारनपुर मंडल बीरेंद्र कुमार उपस्थित रहे। इसके अलावा जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र गाजियाबाद से सहायक आयुक्त उद्योग विकास यादव और आलोक सिंह तथा सहायक प्रबंधक अनित कुमार सैनी ने भी शिरकत की। भाजपा के क्षेत्रीय संयोजक एवं उत्तर प्रदेश विश्वकर्मा विराट संघ के उपाध्यक्ष राजू पांचाल ने भी जागरण में पहुंचकर मां भगवती का आशीर्वाद लिया। उन्होंने समिति की ओर से आयोजित धार्मिक कार्यक्रम की सराहना करते हुए पदाधिकारियों और आयोजकों को शुभकामनाएं दीं। जागरण में टी-सीरीज के प्रसिद्ध भजन गायक पंडित राम अवतार शर्मा ने अपनी मधुर आवाज और भक्तिमय प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। उनके द्वारा प्रस्तुत माता रानी के भजनों पर श्रद्धालु देर रात तक भक्ति में लीन रहे। पूरा वातावरण माता के जयकारों से गूंजता रहा।

पंडित सुनील शुक्ला के कुशल संचालन में धार्मिक कार्यक्रम आगे बढ़ा। इस दौरान प्रस्तुत की गई मनमोहक झांकियां आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहीं। श्री राधा-कृष्ण, भगवान शिव-पार्वती, पंचमुखी हनुमान जी के साथ लांगुर, महाकाली के पांच स्वरूप और मां दुर्गा के वैष्णो स्वरूप की सुंदर झांकियों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

भक्तों ने झांकियों के दर्शन कर माता रानी के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट की। जागरण के उपरांत आयोजित विशाल भंडारे में करीब चार हजार महिला-पुरुषों, बच्चों और अन्य श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे के लिए स्वादिष्ट प्रसाद विपिन कुमार हलवाई ने तैयार किया। समिति के पदाधिकारियों और सेवादारों ने प्रसाद वितरण से लेकर अतिथियों के स्वागत तक सभी व्यवस्थाओं को संभाला। समिति के अध्यक्ष ललित कुमार दीक्षित ने सभी अतिथियों, प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, दानदाताओं, सहयोगियों और क्षेत्रवासियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन किसी एक व्यक्ति का प्रयास नहीं, बल्कि समस्त क्षेत्रवासियों की श्रद्धा, सहयोग और सामूहिक सहभागिता का परिणाम है। समिति भविष्य में भी धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में इसी प्रकार योगदान देती रहेगी। आयोजन को सफल बनाने में संस्थापक उपेंद्र मिश्रा, सांस्कृतिक मंत्री प्रेम सागर यादव, कोषाध्यक्ष अनंत देव, सचिव सुशील चौहान, उपाध्यक्ष राम जायसवाल, वरिष्ठ सलाहकार बालकिशन पाल, मीडिया प्रभारी पुनीत दीक्षित और संरक्षक सुखबीर मास्टर सहित अनेक पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा। धर्म प्रकाश, नीरज त्यागी, अरुण त्यागी, किरण पाल सिंह, कमलेश यादव, ओमपाल मिस्त्री, संजू सिंह, जितेंद्र शर्मा, एडवोकेट तरुण कुमार तोमर और अमित सैनी सहित अन्य सहयोगियों ने भी व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

फोटो नः 9

आईटीएस डेंटल कॉलेज की पहल से 4800 लोगों को मिला दंत चिकित्सा का लाभ



गाजियाबाद। दांतों की बीमारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और जरूरतमंद लोगों तक बेहतर चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने के उद्देश्य से आईटीएस डेंटल कॉलेज, मुरादनगर की ओर से अक्टूबर माह में विशेष स्वास्थ्य अभियान चलाया गया। इसके तहत गाजियाबाद के विभिन्न क्षेत्रों और आवासीय सोसायटियों में दंत चिकित्सा शिविरों का आयोजन कर लगभग 4800 मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। शिविरों में मरीजों की दांतों की जांच के साथ आवश्यक उपचार भी निशुल्क उपलब्ध कराया गया। आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा और वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से आयोजित इन शिविरों का उद्देश्य लोगों को मौखिक स्वच्छता के प्रति जागरूक करना और दांतों की सामान्य बीमारियों की समय रहते पहचान कर उनका उपचार करना रहा। संस्थान की ओर से साहिबाबाद, विजय नगर, फरीदनगर, ग्यासपुर, कल्लूगढ़ी, चिरोड़ी, कौशलया, राजनगर सेक्टर-23, कलछीना, बापूधाम, नंदग्राम, सुराना, डासना, लोनी, मानकी और लालकुआं सहित विभिन्न स्थानों पर शिविर लगाए गए। इसके अलावा क्लासिक रेजीडेंसी, एसोटेक द नेस्ट, एससीसी हाइट्स और हिमालयन तनिष्क जैसी आवासीय सोसायटियों में भी दंत चिकित्सा शिविर आयोजित किए गए। प्रत्येक शिविर में सबसे पहले मरीजों की मौखिक जांच की गई। चिकित्सकों ने दांतों की सड़न, मसूड़ों की बीमारी और दंत फ्लोरोसिस जैसी समस्याओं के लक्षणों तथा उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी। मरीजों को यह भी बताया गया कि अधिक मीठे और दांतों में सड़न पैदा करने वाले खाद्य पदार्थों के सेवन से किस प्रकार बचा जा सकता है।